PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 221 ● भिलाई, बुधवार 11 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने पंजाब सरकार के बजट पर सवाल उठाए

लुधियाना। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने आज लुधियाना में जिला बीजेपी ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और पंजाब सरकार द्वारा पेश किए गए बजट में महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये देने की घोषणा पर सवाल उठाए। बिट्टू ने आरोप लगाया कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने अपने कार्यकाल के आखिरी दौर में महिलाओं को 1,000 रुपये देने की जो घोषणा की है, वह असल में एक धोखा है। उन्होंने सरकार से पूरे पांच साल तक महिलाओं को 60,000 रुपये देने की मांग की। बिट्टू ने बजट में की गई दूसरी घोषणाओं पर भी सवाल उठाए और राज्य की आर्थिक हालत पर चिंता जताई। लुधियाना के सांसद और पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग पर टिप्पणी करते हुए बिट्टू ने कहा कि लोग उन्हें अपने घरों में नहीं बुलाना चाहते। उन्होंने पूछा कि पिछले कुछ सालों में राज्य में कितना विकास कार्य हुआ है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर पलटी बीएमडब्ल्यू

अलवर। जयपुर के प्रतिष्ठित उद्योगपति और शकुन ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर वल्लभ माहेश्वरी (62) का एक भीषण सड़क हादसे में निधन हो गया। यह दुर्घटना अलवर जिले के रैणी थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर शाम करीब 4 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, वल्लभ माहेश्वरी अपनी बीएमडब्ल्यू कार से जयपुर से गिरिराज जी (मथुरा) के दर्शन के लिए जा रहे थे। एक्सप्रेस-वे के चेनेज 136.8 के पास उनकी तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई। कार सुरक्षा बैरिकेड्स और सीमेंट के ब्लॉक्स को तोड़ते हुए डिवाइडर (मीडियन) में जा घुसी और एक पुलिया की दीवार से टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद राहगीरों और पुलिस ने रेस्क्यू कर माहेश्वरी और उनके ड्राइवर को नजदीकी पिनान अस्पताल पहुँचाया, जहाँ से उन्हें अलवर के हरीश हॉस्पिटल रेफर किया गया। अस्पताल पहुँचने पर डॉक्टरों ने वल्लभ माहेश्वरी को मृत घोषित कर दिया। चमत्कारिक रूप से उनके ड्राइवर को इस भीषण हादसे में कोई गंभीर चोट नहीं आई है।

नारी सुरक्षा के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध, महिला अत्याचारों में 10 प्रतिशत की कमी

हनुमानगढ़। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं समाज की वह धुरी हैं, जिनके सशक्त होने से ही समाज प्रगति और देश विकास करता है। उन्होंने महिला अधिकार, सम्मान और समान अवसरों के प्रति जागरूकता का आह्वान करते हुए आधी आबादी की शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया। शर्मा रविवार को हनुमानगढ़ के धान मंडी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नारी शक्ति हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

विधानसभा में गूंजा मामला विपक्ष का वाक आउट

अतिक्रमण के कारण बैंक भवन का निर्माण रुका है तो क्यों नहीं चलवा देते बुलडोजर...

रायपुर। डोंगरगढ़ में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक भवन का निर्माण कार्य अतिक्रमण के कारण शुरु नहीं हो पाने का मामला आज विधानसभा में गूंजा। कांग्रेस विधायक हर्षिता स्वामी बघेल ने आरोप लगाया कि किसी खास आदमी को फायदा पहुंचाने बैंक किराये के भवन में चलने दिया जा रहा है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सवाल उठाया कि बाकी जगह पर बुलडोजर चलवा रहे हैं तो उस जगह पर क्यों नहीं चलवा रहे जहां अतिक्रमण के कारण बैंक भवन का निर्माण कार्य रुका पड़ा है इस पर मंत्री केदार कश्यप की ओर से आए जवाबों का विरोध करते हुए सारे विपक्षी विधायक नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल का सवाल था कि क्या जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा डोंगरगढ़ के प्रस्ताव के आधार पर पंजीयक, सहकारी संस्थाएं व्दारा 24 अगस्त 2023 को भवन निर्माण की अनुमति दी गई यदि हां तो कितनी राशि स्वीकृत की गई क्या इस संबंध में पूर्व विधानसभा प्रश्न के उत्तर में भूमि पर अतिक्रमण होना बताया गया था यदि हां तो क्या उक्त भूमि को कब्जा मुक्त करा लिया गया यदि नहीं तो कब तक अतिक्रमण मुक्त कराकर भवन निर्माण कराया जावेगा क्या वर्तमान में बैंक किराया के भवन में संचालित किया जा रहा है यदि हां तो मासिक किराया कितना है सहकारिता मंत्री केदार कश्यप की ओर से जवाब आया कि भवन निर्माण हेतु 39 लाख स्वीकृत किए गए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव व्दारा वर्तमान में उक्त भूमि पर अतिक्रमण होने के कारण शाखा भवन निर्माण हेतु अन्यत्र भूमि आबंटित करने हेतु राजनांदगांव कलेक्टर को कहा गया है। भूमि आबंटन होने पर भवन निर्माण कार्य कराया जायेगा। भवन का मासिक किराया 19 हजार 400 रुपये है। श्रीमती हर्षिता बघेल ने कहा कि इस जवाब से संतुष्ट नहीं हूं। सवाल यह कि अतिक्रमण क्यों नहीं हटाया गया मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अतिक्रमण पर पत्राचार जारी है। पार्किंग की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी। हर्षिता बघेल ने कहा कि भवन निर्माण हेतु राशि जारी हुई। टेंडर लगा। वर्क ऑर्डर जारी हुआ। भूमि पूजन भी हुआ।

छत्तीसगढ़ में डिप्टी कलेक्टर के 42 पद रिक्त,विधानसभा में सीएम का आया जवाब

रायपुर। विधानसभा में आज कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव के सवाल पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जवाब आया कि छत्तीसगढ़ में इस समय डिप्टी कलेक्टर के 42 पद रिक्त हैं। अटल श्रीवास्तव का लिखित में सवाल था कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में डिप्टी कलेक्टर के कितने पद रिक्त हैं क्या डिप्टी कलेक्टर की पद पूर्ति सीधी भर्ती एवं पदोन्नति से की जाती है अगर हां, तो तहसीलदार से डिप्टी कलेक्टर में पदोन्नत करने हेतु कितना अनुपात लिया जाता है पूर्व में कितने तहसीलदार को डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदोन्नत किया गया और कब किया गयाकुल पद के विरुद्ध कितने अनुपात में किया गया क्या डिप्टी कलेक्टर पद की पूर्ति हेतु सीधी भर्ती एवं तहसीलदार से पदोन्नति करने का 50/50 का अनुपात लागू किया गया है अथवा 50/50 अनुपात में किए जाने हेतु कोई कार्यवाही/प्रस्ताव लंबित है मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की ओर से लिखित में जवाब आया कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में डिप्टी कलेक्टर के कुल 42 पद रिक्त है। तहसीलदार से डिप्टी कलेक्टर में पदोन्नत करने हेतु 40 प्रतिशत का अनुपात लिया जाता है।

विपक्ष का स्पीकर पर स्ट्राइक

पच्चास सांसदों ने अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में किया वोट

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष स्पीकर ओम बिरला को पद हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया। 50 से ज्यादा सांसदों ने पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। अब इस प्रस्ताव पर 10 घंटे चर्चा चलेगी। विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है। बहस की शुरुआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष ने 20 बार राहुल गांधी को रोक-टोका गया। उन्हें बार बार रूलिंग बुक दिखाई गई। उन्होंने अपनी स्पीच में एक आर्टिकल का हवाला दिया। इस पर उन्हें मना किया गया, लेकिन सत्ता पक्ष के सांसदों ने भारत में बैन किताबें सदन में दिखाईं। उनसे कुछ नहीं कहा गया। इस तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं है। 2 फरवरी को नेता विपक्ष राहुल गांधी जब बोल रहे थे, तब उन्हें बार-बार रोका गया।

उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. विनीत जोशी नई दिल्ली में उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए जोखिम नियंत्रण परिपक्वता स्कोरकार्ड पर राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए.

30 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

अब खतौनी से होगा नाम का मिलान-सीएम योगी

लखनऊ। यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। 31 प्रस्तावों पर चर्चा हुई, जिनमें से 30 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई, जबकि तीन प्रस्तावों को होल्ड पर रखा गया। बैठक में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। अब किसी भी संपत्ति को बेचने से पहले विक्रेता का नाम खतौनी में मिलान किया जाएगा। यदि नाम अलग पाया जाता है तो रजिस्ट्रेशन विभाग इसकी जांच करेगा। सरकार ने सर्किल रेट पर एक प्रतिशत शुल्क और विकास शुल्क के दो प्रतिशत अतिरिक्त स्टांप शुल्क से जुड़े प्रावधानों में भी बदलाव किया है। पहले यह राशि यूसी जारी होने के बाद निकायों को दी जाती थी, जिसे अब छमाही आधार पर जारी किया जाएगा। परिवहन विभाग से जुड़े प्रस्ताव के तहत सीएम ग्राम परिवहन योजना 2026 को स्वीकृति दी गई है।

आखिर क्या है 'दीदी' का मेगा प्लान

ममता बनर्जी ने चुनाव से पहले कानून मंत्रालय अपने पास लिया

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने सधे हुए कदमों से सबको चौंका दिया है। आगामी विधानसभा चुनावों की बढ़ती सियासी तपिश के बीच 'दीदी' अब फ्रंटफुट पर खेलने के मूड में नजर आ रही हैं। सोमवार को राज्य सचिवालय द्वारा जारी एक अधिसूचना ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी, जिसके तहत मुख्यमंत्री ने राज्य के कानून और न्यायिक विभाग की जिम्मेदारी अब सीधे अपने हाथों में ले ली है। यह फैसला सिर्फएक प्रशासनिक फेरबदल नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरी राजनीतिक रणनीति छिपी हुई है। अभी तक बंगाल सरकार के वरिष्ठ मंत्री मलॉय घटक श्रम विभाग के साथ-साथ कानून मंत्रालय का कार्यभार भी संभाल रहे थे। अचानक हुए इस बदलाव के बाद अब वह पूरी तरह से केवल श्रम विभाग की जिम्मेदारी ही देखेंगे। सूत्रों के हवाले से यह बात सामने आ रही है कि मुख्यमंत्री पिछले काफी समय से कानून विभाग के कामकाज के तौर-तरीकों से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थीं। टीएमसी के भीतर भी उनके काम को लेकर कुछ नाराजगी की खबरें थीं। ऐसे में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले ममता बनर्जी ने विभाग की बागडोर खुद संभालकर प्रशासन में कसावट लाने की कोशिश की है। वे कानूनी मामलों में तेजी लाने और विभाग पर अपनी सीधी पकड़ बनाना चाहती हैं। पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ समय से राज्य सरकार और केंद्रीय जांच एजेंसियों के बीच टकराव की स्थिति किसी से छिपी नहीं है।

पंजाब के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा का बढ़ा मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा के सम्मान में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। उन्हें समाज की सेवा के लिए प्रतिष्ठित डायरेक्टर अवॉर्ड फॉर सर्विस टू सोसायटी से सम्मानित किया गया है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सम्मान मुख्य सचिव को उनकी मातृ संस्था आईआईटी (आईएसएम) धनबाद द्वारा प्रदान किया गया है, जहां से उन्होंने वर्ष 1989 बैच में माइनिंग इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री प्राप्त की थी। श्री केएपी सिन्हा को यह पुरस्कार जनसेवा और समाज के विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। अपने प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान उन्होंने लोगों की सेवा के साथ-साथ सामाजिक विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कल संसद में अग्निपरीक्षा

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव..

नई दिल्ली/ एजेंसी

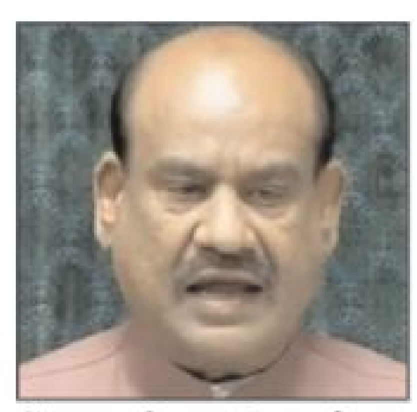

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव ने संसद की राजनीतिक तपिश बढ़ा दी है। इस चुनौती से निपटने और सदन में अपनी शक्ति प्रदर्शित करने के लिए सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी लोकसभा सांसदों को कल यानी 11 मार्च के लिए 'थ्री-लाइन व्हिप' जारी किया है। पार्टी आलाकमान ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी सांसद बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से लेकर स्थगन तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। यह व्हिप ऐसे समय में आया है जब विपक्ष के 50 सांसदों ने स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया है और सदन में तीखी बहस की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, बीजेपी इस अविश्वास प्रस्ताव को न केवल गिराने की योजना बना रही है, बल्कि भारी बहुमत के साथ अपनी एकजुटता दिखाकर विपक्ष को कड़ा संदेश देना चाहती है। व्हिप जारी होने का मतलब है कि कोई भी सांसद बिना पूर्व अनुमति के अनुपस्थित नहीं रह सकता। यदि कोई सांसद व्हिप का उल्लंघन करता है, तो उसे दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए नेतृत्व को 'कमजोर' करार दिया था। विपक्ष का आरोप है कि सदन में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अनदेखी की जा रही है। अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में खड़े 50 सांसदों की संख्या ने सरकार को अपनी पूरी ताकत झोंकने पर मजबूर कर दिया है।

ईरान युद्ध का असर एलपीजी पर

पीएम मोदी ने की उच्च स्तरीय बैठक-देश में लागू किया ईएसएमए

नई दिल्ली/ एजेंसी

ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच युद्ध के कारण रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में रसोई गैस की संभावित कमी से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के असर देश के उपभोक्ताओं को बचाने के लिए रणनीतिक योजना पर काम करना शुरू कर दिया है। मौजूदा संकट की वजह होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना बताया जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई व ईरान की जवाबी कार्रवाई के बाद यह समुद्री मार्ग बंद हो गया है। यह मार्ग भारत की उर्जा सुरक्षा के लिए बहुत अहम है, क्योंकि देश अपनी कुल एलपीजी जरूरत का करीब 62 फीसदी आयात करता है। भारत में हर साल करीब 31.3 मिलिटन टन एलपीजी की खपत होती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एलपीजी वितरण को दो हिस्सों में बांटा है। घरेलू क्षेत्र यानी घरों में इस्तेमाल होनी वाली गैस कुल खपत का 87 फीसदी है। वहीं, होटल, रेस्तरां और उद्योग जैसे व्यावसायिक क्षेत्र 13 फीसदी गैस का इस्तेमाल करते हैं। सरकार ने आम लोगों और घरों को ध्यान में रखे हुए घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी है। इसकी वजह बाजार कीमत पर मिलने वाले वाणिज्यिक सिलेंडर पर निर्भर होटल, रेस्तरां और उद्योगों को भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस कमी का असर मुंबई और बंगलूरू जैसे बड़े शहरों में भी दिखने लगा है। इस पर इंडिया होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने भी चिंता जताई है। संकट से निपटने के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय ने कई आपात कदम उठाए हैं। रिफाइनरी को निर्देश दिया गया है कि वे पेट्रोकेमिकल उत्पादन कम करके एलपीजी का उत्पादन ज्यादा से ज्यादा बढ़ाएं। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस सिलेंडर की दोबार बुकिंग का समय 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है, ताकि जमाखोरी और काला बाजारी को रोका जा सके। घरेलू उपभोक्ताओं के अलावा, आयातित एलपीजी को अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों जैसे गैर-घरेलू क्षेत्रों की जरूरतों के लिए भी भेजा जा रहा है। इस स्थिति को संभालने के लिए तेल बाजार की कंपनियों के तीन कार्यकारी निदेशकों की एक समिति बनाई गई है। यह समिति होटल, रेस्तरां और अन्य उद्योगों की मांगों की समीक्षा करेगी और जरूरत, प्राथमिकता और उपलब्धता के आधार पर गैस का वितरण तय करेगी। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने एक बयान में कहा कि भू-राजनीतिक स्थिति के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है। लेकिन उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर कहा कि इस अवधि में गैर-जरूरी वाणिज्यिक आपूर्ति के बारे में अंतिम फैसला यही समिति लेगी।

महाराष्ट्र के शहरों में लंबी कतारें

गैस की संभावित कमी की खबरों के बीच महाराष्ट्र के कई शहरों में लोग सिलेंडर लेने के लिए लंबी कतारों में दिखाई दे रहे हैं। रत्नागिरि और कोल्हापुर में गैस एजेंसियों के बाहर बड़ी संख्या में लोग जमा हो रहे हैं। रत्नागिरि की 'शांतादुर्गा गैस एजेंसी' सहित कई केंद्रों पर सुबह से ही उपभोक्ताओं की भीड़ देखी गई। लोगों को डर है कि अगर युद्ध की स्थिति और बिगड़ी तो आने वाले दिनों में एलपीजी सिलेंडर मिलना मुश्किल हो सकता है। इसी आशंका के कारण पैनिक बुकिंग बढ़ गई है। हालांकि गैस एजेंसियों का कहना है कि फिलहाल घरेलू गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और घबराने की जरूरत नहीं है। इसके बावजूद कई उपभोक्ताओं का आरोप है कि बुकिंग के बाद भी सिलेंडर की डिलीवरी 10 से 15 दिन तक नहीं हो रही है, जिससे लोगों की चिंता बढ़ रही है। गैस की कीमतों में बढ़ोतरी और सप्लाई रुकने की आशंका के कारण कोल्हापुर के राजारामपुरी इलाके में भी गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं।

कंडेल की बेटी हिमांगिनी साहू का बीएसएफ में चयन

डीपेंद्र साहू ने घर पहुंचकर किया सम्मान

धमतरी। धमतरी जिले के गौरव ग्राम कंडेल निवासी उमेश साहू एवं प्रेमीन साहू की सुपुत्री कुमारी हिमांगिनी साहू के सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ में चयनित होने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। भारत माता की सेवा हेतु प्रशिक्षण में जाने से पूर्व उनके निवास पहुंचकर पूर्व प्रदेश भाजयुमो कार्यसमिति सदस्य डीपेंद्र साहू ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर उन्हें पुष्प गुच्छ, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डीपेंद्र साहू ने कहा कि कुमारी हिमांगिनी साहू की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे कंडेल ग्राम एवं क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले बल में चयनित होकर हिमांगिनी ने यह साबित कर दिया है कि आज की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उनकी यह सफलता नारी सशक्तिकरण का अनुपम उदाहरण है और क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने हिमांगिनी के माता.पिता को भी बधाई देते हुए कहा कि उनके संस्कार और मार्गदर्शन के कारण ही आज उनकी बेटी देश सेवा के पवित्र दायित्व के लिए चयनित हुई है। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भी हिमांगिनी साहू को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर ब्राह्मणपारा वार्ड पार्षद कोमल सार्वा, युवा मोर्चा सदस्य पंकज साहू, सरपंच गिरधर सार्वा, हेमु साहू, रविकांत साहू, धनेंद्र साहू, जितेंद्र साहू सहित परिवार के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे, जिन्होंने कुमारी हिमांगिनी साहू की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किए।

महिला दिवस पर धमतरी में खेल प्रतियोगिता योगा में प्रतिभागियों ने दिखाया उत्साह

धमतरी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 7 बजे से 8 बजे के मध्य किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं और महिलाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में कुश्ती संघ के अध्यक्ष लक्ष्मण पहलवान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ योग आयोग के योग प्रशिक्षक उत्तरा सिंह गौतम तथा उमराव साहू की विशेष उपस्थिति रही। इसके अलावा मोहनी साहू प्रदेश अध्यक्ष, भारती साहू प्रदेश कोषाध्यक्ष, रितु प्रधान वार्ड अध्यक्ष, शिवा प्रधान प्रदेश मार्गदर्शक एवं सलाहकार तथा खिलेश्वर साहू प्रदेश व्यवस्थापक एवं मंच संचालक भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ सरिता दोशी, अध्यक्ष सार्थक मानसिक दिव्यांग प्रशिक्षण एवं सेवा केंद्र, धमतरी भी उपस्थित रहीं और उन्होंने महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित योगा प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग की बालिकाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे-12 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में उर्वशी मिनपाल ने प्रथम स्थान तथा कनिष्का गौतम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 14 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में रुचि साहू ने प्रथम स्थान तथा थमेश्वरी साहू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में निकिता धर्मगुड़ी ने प्रथम स्थान तथा धनश्री जोशी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में रोशनी ने प्रथम स्थान तथा जयश्री ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अंत में विजेताओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया।

बढ़ती महंगाई व गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि के विरोध में कांग्रेस का तीखा हमला

बलौदाबाजार। जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने बढ़ती महंगाई एवं घरेलू तथा कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में लगातार हो रही वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। जिलाध्यक्ष बलौदाबाजार सुमित्रा घृतलहरे ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण देश की आम जनता महंगाई की मार से त्रस्त है। घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में लगातार बढ़ोतरी से गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, मजदूर और छोटे व्यापारियों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ रहा है। पूर्व अध्यक्ष पाठ्यपुस्तक निगम शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा कि देश के कई भाजपा शासित राज्यों में उनके नेताओं के संरक्षण में नशे का कारोबार और विभिन्न प्रकार के अवैध व्यापार धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में बड़े स्तर पर अफ ीम की खेती का मामला सामने आना अत्यंत गंभीर विषय है, जिसमें भाजपा से जुड़े व्यक्ति का नाम सामने आने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। यदि जांच एजेंसियां पूरे प्रदेश में निष्पक्षता के साथ जांच करें तो कई भाजपा नेताओं के अवैध कारोबार की सच्चाई जनता के सामने आ जाएगी। पूर्व अध्यक्ष कृषक कल्याण बोर्ड सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम आदमी का जीना मुश्किल कर दिया है। केंद्र सरकार जनता की मूलभूत समस्याओं से ध्यान हटाकर केवल बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। गैस सिलेंडर के दामों में लगातार वृद्धि से आम परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार से मांग की कि बढ़ती महंगाई पर तत्काल नियंत्रण किया जाए तथा घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के बढ़े हुए दाम तुरंत वापस लिए जाएं, अन्यथा कांग्रेस पार्टी आम जनता के हित में आगे भी चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से विधायक कसडोल संदीप साहू ब्लॉक कांग्रेस कमिटी शहर अध्यक्ष प्रवीण सेन ग्रामीण अध्यक्ष दीपक साहू पलारी नगर पंचायत अध्यक्ष गोपी साहू महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरी भृगु जनपद सदस्य आर्यन शुक्ला सुखदेव साहू गेवेंद्र संतोष तिवारी सुभाष राव नीरज बांधे जीतेन्द्र नवरत्न समीर अग्रवाल पिंटू वर्मा नेता प्रतिपक्ष सलमान शेख एन एस यू आई विधानसभा अध्यक्ष सूर्यकांत वर्मा रविंद्र नामदेव राजेश साहू रिंकू वर्मा सुनील कुर्रे ब्लॉक अध्यक्ष भानु वर्मा राहुल नेगी जय सींग ठाकुर अजय भारती शैलेन्द्र ध्रुव संतोष खिलावन जायसवाल मनीष साहू दिलीप सोनी सहित समस्त कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

कावेरी बीज कंपनी द्वारा करीब पौने चार करोड़ बकाया भुगतान नहीं करने का मामला

वर्तमान एवं पूर्व मुख्यमंत्री दोनों को दिया ज्ञापन

महासमुंद। सिकंदराबाद तेलंगाना के कावेरी बीज कंपनी द्वारा छत्तीसगढ़ के 133 किसानों एवं मजदूरों के साथ किये गए धोखाधड़ी और किसानों मजदूरों को भुगतान नहीं मिलने से आठ महीने से परेशान किसानों का प्रतिनिधि मंडल ने रविवार को चंद्राकर समाज के कार्यक्रम में परागांव पहुँचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भुगतान प्रदान कराने आवश्यक कार्यवाही के लिए ज्ञापन दिया है।

गौरतलब है कि वर्ष 2024-25 के रबी सीजन में कावेरी बीज कम्पनी सिकंदराबाद तेलंगाना द्वारा किसानों की भूमि लीज (रेग) पर लेकर बीज उत्पादन कराया गया, मजदूरों से कड़ी मेहनत कराई गई, मशीनरी का उपयोग कराया गया लेकिन आज तक मेहनताना और लीज राशि का भुगतान नहीं किया गया। कुल बकाया मूल राशि 3,23,26,388/- (अक्षरी तीन करोड़ तेइस लाख छब्बीस हजार तीन सौ अठ्यासी रुपये) और मजदूरों का मेहनताना 789500 रूपये है जिसका जुलाई 2025 से फरवरी 2026 तक 2% मासिक ब्याज जोड़ने पर कुल बकाया राशि 3,8414430/- (अक्षरी तीन करोड़ चौरासी लाख चौदह हजार चार सौ दस रुपये) हो चुकी है। प्रतिनिधि मंडल में शामिल महासमुंद जिला पंचायत सदस्य जागेश्वर जुगनू चंद्राकर, भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) छत्तीसगढ़ के प्रदेश महासचिव तेजराम विद्रोही, प्रभावित किसानों कृष्ण कुमार चंद्राकर, रोशन चंद्राकर, भीखम चंद्राकर, पंकज चंद्राकर, प्रवीण चंद्राकर, आदि ने कहा कि यह केवल आर्थिक मामला नहीं है, यह किसानों और मजदूरों की मेहनत, सम्मान और जीवन से जुड़ा प्रश्न है। भुगतान न मिलने के कारण कई परिवार कर्ज में डूब चुके हैं, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित है, और आजीविका संकट में है। शासन-प्रशासन से बार-बार निवेदन करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

महतारी वंदन योजना से आत्मनिर्भर हुई सविता वर्मा

बलौदाबाजार-भाटापारा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के लिए स्वावलंबन का नया आधार बन रही है। इसी कड़ी में जिले के ग्राम पैंजनी की निवासी सविता वर्मा ने योजना का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बन गई है सविता वर्मा ने योजना में प्रति संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना की 25वीं किश्त के रूप में एक हजार रुपए की राशि प्राप्त हो चुकी है। सविता का कहना है कि हर महीने बैंक खाते में आने वाली यह राशि उनके आत्मविश्वास को बढ़ाती है। इस राशि का सदुपयोग वे अपनी घरेलू जरूरतों और छोटी-छोटी आवश्यकताओं को बिना किसी पर निर्भर रहे पूरा करने में कर रही हैं, जिससे उनकी गृहस्थी का बोझ काफी कम हुआ है। सविता वर्मा ने प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की इस सार्थक पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की इस योजना ने महिलाओं के हाथों में सीधे पैसे पहुँचाकर उन्हें घर-परिवार के निर्णयों में अधिक सक्षम बनाया है और समाज में महिलाओं की गरिमा को नई ऊँचाई प्रदान की है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का होली मिलन समारोह, कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा हुए शामिल

बलौदा बाजार । बलौदा बाजार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा स्थानीय दशहरा मैदान यज्ञ स्थल में हर्षोल्लास के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर शहर के व्यापारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान चैंबर ऑफकॉमर्स के पदाधिकारियों एवं अध्यक्ष लक्ष्मी साहू ने मंत्री टंकराम वर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर फूलों की होली खेल कर शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन प्रदेश के स्काउट गाइड उपाध्यक्ष विजय केसरवानी पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा भाटापारा चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के उपाध्यक्ष अमरदीप चावला विशेष रूप से उपस्थितथे मंत्री ने नगाड़े की ताप में होली गीत गाकर सब का मन जीत लिया पूरे दशहरा मैदान में रंग-गुलाल फूल और उत्साह का माहौल देखने को मिला। अपने संबोधन में मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि होली का पर्व प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और लोगों के बीच आपसी भाईचारे को मजबूत बनाते हैं।

उन्होंने व्यापारियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि जिले के विकास में व्यापारियों का महत्वपूर्ण योगदान है और सरकार भी व्यापार व उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पदाधिकारियों पीयूष मिश्रा अभिषेक तिवारी उमेश अग्रवाल लोमेंद्र अग्रवाल शंकर दुलानीने बताया कि होली मिलन समारोह का उद्देश्य व्यापारियों और नागरिकों को एक मंच पर लाकर आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने होली के गीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। समारोह में शहर के अनेक व्यापारी, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। चेंबर के सदस्य श्याम सुंदर केसरवानी महेश अग्रवाल राज नारायण केसरवानी शिव शंकर अग्रवाल मीडिया प्रभारी दलजीत सिंह चावला दिलीप माहेश्वरी अनिल केसरवानी धीरज बाजपेई ऋषभ जैन दिनेश वर्मा नितिन गुप्ता अजय गुप्ता लक्ष्मी केसरवानी संतोष गुप्ता ईश्वर पंजवानी एवं चेंबर के सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित थे कुशल वर्मा केके वर्मा के द्वारा होली एवं फागुन फाग गीत गया गया।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना पहुँची नेत्री के निवास होली की खुशियों के साथ अपनत्व का ग़ज़ब उदाहरण

धमतरी। होली की खुशियाँ जहाँ सभी ने अलग अलग तरह से मनाई, वहीं ऐसे मौके पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू, भाजपा की नेत्री पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष चित्ररेखा निर्मलकर से मिलने पहुंची और उनके स्वास्थ का हाल जाना। यह क्षण निर्मलकर के लिए अत्यंत भावुक था और हो भी क्यों ना, जब सत्ता की चकाचौंध में कई बार नेता संघर्ष के समय के पार्टी के मजबूत कार्यकर्ताओं को भूल जाते हैं, ऐसे में उनकी अस्वस्थता का पता चलते ही भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू उनसे मिलने पहुंची और अपनत्व के साथ उन्हें तिलक गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देते हुए उनके जल्द स्वस्थ होकर पार्टी कार्यों में उसी तत्परता से सक्रिय होने की कामना की। विदित हो कि चित्ररेखा निर्मलकर दशकों से भाजपा की मजबूत नेता रहीं है। पार्षद से लेकर नगर पालिका उपाध्यक्ष तक शासन के पदों को उन्होंने सुशोभित किया है। संगठन में भाजपा शहर मंडल से लेकर महिला मोर्चा में प्रदेश तक विभिन्न दायित्वों का मजबूती से निर्वहन निर्मलकर ने किया है। ऐसे योद्धाओं को सम्मान से सहेज के रखना और उनके सुख दुख में सहभागी बनना पार्टी के प्रत्येक नेताओं की जिम्मेदारी है जिसका निर्वहन करते हुए रंजना साहू ने पार्टी परिवार को अपना परिवार मानकर हर वक्त खड़े होने का कार्य करती हैं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू के साथ भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिता मुकेश यादव, प्रदेश महिला मोर्चा कार्यसमिति सदस्य जागेश्वरी साहू, प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा रेशमा शेख, महिला मोर्चा महामंत्री कविता यादव होली मिलन में उपस्थित रहे।

राजस्व मंत्री ने दिशा दर्शन भ्रमण बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बलौदाबाजार। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने रविवार को जिला ऑडिटोरियम परिसर से दिशा दर्शन भ्रमण बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भ्रमण दल में स्व सहायता समूह की 80 महिलाएं सम्बलपुर में बुनकर प्रशिक्षण का अवलोकन व अध्ययन करेंगी। राजस्व मंत्री वर्मा ने भ्रमण में जाने वाली महिलाओं के लिये भोजन व विश्राम की उपयुक्त व्यवस्था सहित आने -जाने में सुरक्षा व सुविधाओं का ध्यान रखने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने महिलाओं को अध्ययन भ्रमण में जाने पर शुभकामनायें दीं और हुनरमंद बनने कहा। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, कलेक्टर कुलदीप शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद थे।

आदित्येन इंग्लिश मीडियम स्कूल में जुनियर छात्रों द्वारा सिनियर छात्रों को दी विदाई

सरायपाली। आदित्येन इंग्लिश मीडियम स्कूल में कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह बड़े ही गरिमामय एवं भावनात्मक वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं वंदना से किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समारोह को उल्लासमय बना दिया। बच्चों ने गीत, नृत्य, कविता पाठ के माध्यम से अपने विद्यालयीन जीवन की स्मृतियों को जीवंत कर दिया, जिसे उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने खूब सराहा। इस अवसर पर विद्यालय के एच एम जानकी आदित्य ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई में मन लगाकर परिश्रम करने, अनुशासन एवं संस्कारों को जीवन में अपनाने तथा अपने माता-पिता व गुरुओं का सम्मान करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि उच्च स्तर पर प्राप्त शिक्षा ही आगे के उज्ज्वल भविष्य की नींव होती है और विद्यालय सदैव अपने विद्यार्थियों की प्रगति पर गर्व करता है।

लेडीज क्लब ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर किया महिलाओं का सम्मान

धमतरी । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर धमतरी के साहेब रेस्टोरेंट में लेडीज़ क्लब द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं क्लब की प्रार्थना से हुई। इसके पश्चात क्लब की संरक्षिका कामिनी कौशिक, अध्यक्ष काजल सिन्हा, सचिव साधना साहू एवं कोषाध्यक्ष रचना नायडू मंचासीन रहीं। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण एवं समाज में नारी की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। संरक्षिका कामिनी कौशिक ने अपनी स्वरचित कविता प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। उन्होंने जीवन के विभिन्न रंगों को दर्शाते हुए कहा कि जीवन में कभी धूप, कभी छांव और कभी बारिश जैसे अनेक रंग देखने को मिलते हैं। अध्यक्ष काजल सिन्हा ने अपने संबोधन में नारी सम्मान पर बल देते हुए कहा कि नारी का अपमान नहीं करना चाहिए। सचिव साधना साहू ने कहा कि बेटी के साथ.साथ बेटे को भी संस्कारित करना आवश्यक है। कोषाध्यक्ष रचना नायडू ने नारी तेरे रूप अनेक विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए गीत भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में नीता रणसिंग ने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही, वहीं श्रद्धा कश्यप ने रानी लक्ष्मीबाई और तनुजा सेन ने रानी अवंतीबाई लोधी के साहस और वीरता का उदाहरण प्रस्तुत किया। पूनम सिंह ने नारी में नम्रता, हिम्मत और मर्यादा के गुणों पर प्रकाश डाला। संगीता सिन्हा, बीना नायडू, गायत्री साहू, सीमा हरदेल, रेनू खनूजा सहित अन्य महिलाओं ने भी अपने विचार रखे। माधवी शर्मा ने महिला सदस्यों के जीवन संघर्ष पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान शुभ्रा गौर और आरती कौशिक ने मधुर गीतों की प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित महिलाओं ने सराहा। इसके अलावा क्लब की महिलाओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस आयोजन का सौजन्य आरती कौशिक एवं शुभ्रा गौर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में क्लब की सभी महिलाओं को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव साधना साहू ने किया, जबकि कोषाध्यक्ष रचना नायडू ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शारदा साहू, मंजू महावर, मंजू सेन, डॉ भारती राव, लीला शर्मा, देविका साहू, हरजीत आजमानी, संतोष लखोटिया, ज्योति गुप्ता, सरला खंडेलवाल, आशा गुप्ता, बबली रजोरिया, शबाना रिजवी, शिरीन हाशमी, प्रतिमा दीवान, शाबिरा हाशमी, प्रेम चौधरी सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर आयोजन को उत्साह और रंगों से भर दिया।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार स्कार्पियो अनियंत्रित होकर पलटी, एक की मौत

रायपुर। जिले के चिखलपुटी बायपास मार्ग पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान भेलवापदर निवासी करण श्रीवास्तव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार करण अपने दोस्तों के साथ स्कॉर्पियो में बायपास मार्ग की ओर जा रहा था। इसी दौरान मोड़ पर वाहन चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया। जिसके बाद स्कॉर्पियो पलटकर सड़क किनारे जा गिरी। हादसे में करण श्रीवास्तव को गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना में एक अन्य युवक घायल भी हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पीडब्ल्यूडी विभाग के कर्मचारी ने सरकारी क्वार्टर में किया सुसाइड

रायपुर। जिला मुख्यालय में पीडब्ल्यूडी विभाग के एक कर्मचारी द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। उप संभाग क्रमांक एक में पदस्थ बड़े बाबू लवसिंह ध्रुव ने फांसी लगाकर जान दे दी। जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम करीब 7 बजे यह घटना सामने आई। लवसिंह ध्रुव तहसीलपारा स्थित अपने सरकारी क्वार्टर में रहते थे। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर सहकर्मियों को संदेह हुआ। जिसके बाद कमरे में जाकर देखा गया तो वे पंखे से साड़ी का फंदा बनाकर लटके हुए थे। तत्काल उन्हें नीचे उतारकर जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले में फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। आत्महत्या के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच में जुटी हुई है।

सार्वजनिक स्थान में चाकू लहराकर लोगो को डराने वाले 4 युवक गिरफ्तार

रायपुर। बस्तर पुलिस के द्वारा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी तारतम्य में दो अलग अलग सार्वजनिक स्थान में लोहे का धारदार चाकू को लहरा कर लोगो पर हमला करने वाले वाले 4 आरोपियो को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को सफलता मिली है। थाना बोधघाट में दो अलग मामलो में प्रार्थी द्वारा क्रमशः रिपोर्ट दर्ज कराया गया की आनंद नाग, रितेश विश्वकर्मा एवं अब्बू उर्फ़छबिलाल के द्वारा प्रार्थी को शराब पीने के लिए 7000 रूपये मांग किया गया, प्रार्थी द्वारा पैसा देने से मना करने पर उक्त तीनो आरोपी के द्वारा प्रार्थी को अश्लील गाली गलोच कर धारदार हथियार चाकू से हमला कर चोट पहुँचाया है, इसी तरह अन्य मामले में प्रार्थी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि आरोपी विक्रम नाग के द्वारा नशे में आकर माँ बहन की अश्लील गाली गलोच कर धारदार हथियार चाकू दिखा कर जान से मारने की धमकी दिया है कि रिपोर्ट पर तत्काल पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में एएसपी माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन एवं सीएसपी सुमित कुमार डी धोत्रे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट लीलाधर राठौर के नेतृत्व में तत्काल कार्यवाही हेतु टीम तैयार किया गया, टीम के द्वारा उक्त सभी आरोपियों आनंद नाग पिता कामलोचन नाग, रितेश विश्वकर्मा पिता सामु विश्वकर्मा, अब्बू उर्फ़ छबीलाल तीनो निवासी मेटगुडा जवाहर नगर वार्ड जगदलपुर तथा विक्रम नाग पिता लखन नाग निवासी दंतेश्वरी वार्ड जगदलपुर को घेराबंदी कर पकड़कर हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया, उक्त आरोपियों के द्वारा अपराध घटित करना कबूल करते हुए घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार चाकू को पेश करने से जप्त कर उक्त आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया। महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले अधिकारी- निरीक्षक - लीलाधर राठौर उ. नि. - ललित नेगी, लोकेश्वर नाग प्र.आर. - मयाराम, अहिलेश नाग आरक्षक - भैरव सिन्हा, मनोज बघेल,परमानन्द भोयर, होरी लाल आर्मो।

दिन में गर्मी, रात को हल्की राहत, राजनांदगांव सबसे गर्म

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लगातार तापमान बढ़ रहा है। शनिवार को दिन में सामान्य 2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया गया। अभी से ही घरों में एसी-कूलर चालू हो गए हैं। आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ने की मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं। प्रदेश में शनिवार को मौसम शुष्क रहा. इस दौरान सबसे ज्यादा तापमान राजनांदगांव में 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर 15 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उड़ीसा और उसके आसपास 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। यहीं से एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम उत्तर प्रदेश तक उत्तर छत्तीसगढ़ होते हुए 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्कूली बच्चों से कहा

महापुरुषों के जीवन और विचारों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ेगी नई पीढ़ी...

■ मुख्यमंत्री श्री साय ने बीएसएस प्रणवानंद स्कूल के 'कल्चरल एंड हेरिटेज म्यूजियम' का किया अवलोकन

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित बीएसएस प्रणवानंद स्कूल परिसर पहुंचकर भारत माता की मूर्ति तथा भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्कूल परिसर में स्थापित कल्चरल एंड हेरिटेज म्यूजियम का अवलोकन किया। स्कूल के सचिव स्वामी शिवरूपानंद जी महाराज ने उन्हें संग्रहालय का विस्तृत भ्रमण कराया। मुख्यमंत्री ने उत्सुकता के साथ संग्रहालय में प्रदर्शित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, ऋषि-मुनियों तथा भारत सेवाश्रम संघ द्वारा संचालित मानव कल्याण से जुड़े कार्यों और गतिविधियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्कूली बच्चों को भारत के समृद्ध इतिहास, ऋषि-मुनियों, महान चिंतकों, धर्म प्रवर्तकों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान से परिचित कराने की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति अत्यंत प्राचीन, समृद्ध और गौरवशाली रही है, जिसे हमारे ऋषि-मुनियों, विद्वानों और महापुरुषों ने अपने ज्ञान, तप और त्याग से और अधिक समृद्ध बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी को अपने इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। इससे बच्चों में अपने राष्ट्र, संस्कृति और मूल्यों के प्रति गर्व की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि बीएसएस प्रणवानंद स्कूल द्वारा स्थापित यह संग्रहालय भावी पीढ़ी को हमारे धर्म, ग्रंथों, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का प्रेरणादायक माध्यम बनेगा। इस अवसर पर स्कूल के सचिव स्वामी शिवरूपानंद जी महाराज ने मुख्यमंत्री श्री साय को शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंटकर उनका सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि बीएसएस प्रणवानंद स्कूल में भारत के महान ऋषि-मुनियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले महान व्यक्तित्वों की प्रतिमाएं उनके जीवन और कार्यों की जानकारी के साथ स्थापित की गई हैं। इनमें महर्षि वेदव्यास, ब्रह्मर्षि विश्वामित्र, सुश्रुत, कणाद, आर्यभट्ट, रामानुजाचार्य, स्वामी विवेकानंद, राजा राममोहन राय, पृथ्वीराज चौहान, रानी लक्ष्मीबाई, खुदीराम बोस, महर्षि दयानंद और भगवान बिरसा मुंडा सहित अनेक महान विभूतियां शामिल हैं। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती आनन्दिता घोष, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

अफीम खेती मामले में विनायक ताम्रकार समेत तीन आरोपी को जेल

रायपुर / संवाददाता

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के समोदा-झेंझरी गांव में अफीम की खेती के मामले में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। इसमें शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इनमें भाजपा नेता विनायक ताम्रकार भी शामिल हैं, जिन पर आरोप है कि उनकी देखरेख में ही यह खेती हो रही थी। राजस्थान के एक किसान की संलिप्तता भी मामले में सामने आई है। दरअसल, गांव के सरपंच अरुण गौतम की शिकायत पर पुलिस सक्रिय हुई। पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की और जिला प्रशासन को सूचना दी। दुर्ग कलेक्टर सहित चार विभागों की टीम मौके पर पहुंची। जांच में पाया गया कि लगभग 6 एकड़ जमीन पर अफीम की खेती हो रही है। यह जमीन शिवनाथ नदी के किनारे है, जो समोदा गांव के विनायक ताम्रकार और उनके परिवार के नाम पर है। इसी से सटी हुई 11 एकड़ जमीन में से 6 एकड़ भूमि पर अफीम उगाई जा रही थी, जो दो महिलाओं प्रीतिबाला ताम्रकार और मधुबाला ताम्रकार के नाम पर रजिस्टर्ड है। ये महिलाएं विनायक की रिश्तेदार हैं और कई सालों से दूसरे शहर में रहती हैं। उन्होंने अपनी जमीन की देखभाल के लिए विनायक को सौंप रखी थी। मौके पर जांच में पता चला कि आरोपियों ने चालाकी से पहले मक्का बोया था और उसके बीच में अफीम की खेती की थी। अफीम के 10-15 प्रतिशत पौधों पर चीरा लगाने के निशान थे, जिससे पता चलता है कि उनसे मॉर्फि'न युक्त नशीला पदार्थ निकाला गया था। बाकी 80 प्रतिशत पौधे अभी फू ल आने या बढ़ने की अवस्था में थे। जांच से यह भी सामने आया कि यह खेती विनायक ताम्रकार की निगरानी में हो रही थी। विनायक पूर्व में भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में राइस मिल प्रसंस्करण प्रकल्प के प्रदेश संयोजक हैं। मीडिया में खबर आने के बाद राजनीति गर्म हो गई। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ समोदा गांव पहुंचे और अफीम की खेती का निरीक्षण किया।

समूह की महिलाओं ने अपने स्टॉल से दिखाई स्वरोजगार की मिसाल....

रायपुर। संवाददाता

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन तथा जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शबरी ऑडिटोरियम सुकमा में जिला स्तरीय महिला सम्मेलन को हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर अमित सिंह तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं और खेलों का आयोजन किया गया जिसमें कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़ जैसे खेल शामिल रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुनर्वासित युवाओं, महिलाओं और स्कूली छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महतारी वंदन सम्मेलन के दौरान विभिन्न विभागों एवं महिला स्वसहायता समूहों द्वारा स्टॉल भी लगाए गए। कलेक्टर सहित जनप्रतिनिधियों ने स्टाल का निरीक्षण किया। उन्होंने सेल्फी जोन में फोटो भी खिंचवाई। यहां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जहां महिलाओं ने स्वास्थ्य जांच कराई और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्चुअल कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महतारी वंदन योजना की 25 वीं किश्त का ऑनलाइन भुगतान किया गया। शबरी ऑडिटोरियम सुकमा से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ महिला कोष की ऋण योजना के तहत 4 हितग्राहियों को ऋण राशि का सांकेतिक चेक प्रदान किया गया। इसमें बैयर सिंधु को 40 हजार रुपये, सुनीता को 2 लाख रुपये, गीता सोड़ी को 1 लाख रुपये और जय अम्मा स्व सहायता समूह पुसगुड़ा को 2 लाख रुपये महिला कोष से प्रदान किया गया। इसके साथ ही जिले की महिला स्व सहायता समूह में कार्यरत 25 महिला केडरों को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने की सौजन्य मुलाकात

पीएम सूर्यघर योजना की समीक्षा बैठक

कलेक्टर गौरव सिंह ने अधिकारी को प्रगति लाने के दिए निर्देश......

रायपुर/ संवाददाता

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के अंतर्गत विभिन्न बैंकों एवं विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जिन बैंकों और संबंधित विभागों की प्रगति अपेक्षित नहीं पाई गई, उन्हें शीघ्र प्रगति लाने तथा योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में जिले के सभी बैंकों के प्रतिनिधि, विद्युत विभाग, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों, स्वीकृत प्रकरणों, सब्सिडी की स्थिति तथा स्थापित सोलर रूफ्टॉप सिस्टम की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. सिंह ने जिले के सभी सीएसपीडीसीएल अधिकारियों को क्षेत्रवार प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सभी बैंकों के लक्ष्य की समीक्षा करते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों को ऋण देने में विलंब न करें। कलेक्टर ने आम नागरिकों को योजना का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने, शिविरों का आयोजन करने तथा ग्राम और वार्ड स्तर पर प्रभावी प्रचार-प्रसार करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि तकनीकी स्वीकृति, ऋण स्वीकृति एवं सब्सिडी वितरण की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो।

महतारी वंदन बना सहाराः पति को लकवा,अब घर की जिम्मेदारी संभाल रहीं नंदिनी

रायपुर। जिंदगी कभी-कभी ऐसे मोड़ पर ला खड़ा करती है, जहां हिम्मत ही सबसे बड़ा सहारा बन जाती है। रायपुर स्थित पुरानी बस्ती की श्रीमती नंदिनी यदु की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। पति के अचानक लकवाग्रस्त हो जाने के बाद पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई, लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय संघर्ष का रास्ता चुना। नंदिनी बताती हैं कि उनके पति पहले एक निजी बैंक में गार्ड की नौकरी करते थे। परिवार की आय का यही मुख्य साधन था। लेकिन अचानक आए लकवे ने सब कुछ बदल दिया। पति काम करने की स्थिति में नहीं रहे और घर की आर्थिक स्थिति डगमगा गई। ऐसे कठिन समय में नंदिनी ने घर की जिम्मेदारी संभालते हुए मजदूरी शुरू कर दी। वे घर निर्माण के कार्य में मजदूरी करती हैं और जब काम नहीं मिलता तो दोना-पत्तल बनाकर कुछ आमदनी जुटा लेती हैं। उनकी मेहनत से घर का खर्च तो चलने लगा, लेकिन पति के इलाज और दवाइयों का खर्च हमेशा चिंता बना रहता था। नंदिनी कहती हैं कि महतारी वंदन योजना उनके लिए मुश्किल समय में सहारा बनकर आई है।

प्रोजेक्ट अजा से आत्म निर्भर बनीं गीता वर्मा...

■ बकरी पालन से सालाना एक लाख से अधिक आय

रायपुर/ संवाददाता

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की शक्ति, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का प्रतीक है। आज महिलाएं अपने साहस और परिश्रम के दम पर न केवल अपने परिवार बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसी का एक प्रेरणादायक उदाहरण रायपुर जिले के आरंग विकासखंड के ग्राम चटौद की श्रीमती गीता वर्मा हैं, जिन्होंने प्रोजेक्ट अजा के माध्यम से बकरी पालन को अपनाकर आर्थिक आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार जिले में महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट अजा संचालित किया जा रहा है। इस योजना के तहत महिलाओं को पशुपालन के क्षेत्र में प्रशिक्षण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। गीता वर्मा को बिहान समूह के माध्यम से इस योजना की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने 15 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर बकरी पालन का व्यवसाय शुरू किया। जिला प्रशासन और बिहान की सहायता से उन्हें 10 बकरियां और 2 बकरे उपलब्ध कराए गए। वर्तमान में वे इस व्यवसाय से प्रतिवर्ष एक लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं।

महतारी वंदन योजना से सशक्त हुई महिलाएं

श्रीमती सरस्वती केंवट ने बढ़ाया अपना होटल व्यवसाय

■ होटल व्यवसाय अच्छी तरह संचालित हो रहा है और उन्हें हर महीने लगभग 10 से 15 हजार रुपये तक की आय होने लगी है

रायपुर/ संवाददाता

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश की महिलाओं को बड़ी सौगात देते हुए महतारी वंदन योजना की 25वीं किस्त का अंतरण किया। राज्य स्तरीय वृहद महतारी वंदन सम्मेलन के माध्यम से प्रदेशभर की महिला हितग्राहियों के खातों में योजना की राशि अंतरित की गई। राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी प्रेरित कर रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने वर्चुअल माध्यम से जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम तेंदुभाठा की हितग्राही श्रीमती सरस्वती केंवट से संवाद कर योजना से मिले लाभ और उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की जानकारी ली। श्रीमती सरस्वती केंवट इस योजना की प्रेरक मिसाल बनकर सामने आई हैं। उन्होंने महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली राशि का उपयोग अपने छोटे होटल व्यवसाय को आगे बढ़ाने में किया। आज उनके इस प्रयास से होटल व्यवसाय अच्छी तरह संचालित हो रहा है और उन्हें हर महीने लगभग 10 से 15 हजार रुपये तक की आय होने लगी है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने उनके इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना है। संवाद के दौरान श्रीमती सरस्वती केंवट ने मुख्यमंत्री को अपने होटल आने का स्नेहपूर्ण निमंत्रण देते हुए कहा कि वे उनके होटल में आकर चाय और नाश्ता जरूर करें। इस पर मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए उनका निमंत्रण स्वीकार करते हुए कहा, हम आपके होटल जरूर आएंगेज हमें चाय पिलाइएगा और भजिया-पकोड़ा भी खिलाइएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में और अधिक सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री के साथ हुए इस संवाद से श्रीमती सरस्वती केंवट और उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उनका यह प्रयास क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रहा है।

संपादकीय

युद्ध के बीच भारतीयों को वापस लाना चिंता का विषय

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का स्वरूप बिगड़ता जा रहा है और कहना मुश्किल है कि आने वाले दिनों में यह कौन-सी दिशा अख्तियार करेगा। खासतौर पर हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है, उसमें मध्य-पूर्व के देशों में भी स्थिति चिंताजनक हो रही है।इस बीच भारत के लिए एक बड़ी फिक्र यह खड़ी हुई है कि अलग-अलग उद्देश्य से मध्य-पूर्व के देशों में गए जो भारतीय फंस गए हैं, उन्हें वहां से सुरक्षित कैसे निकाला जाए।अमेरिका और इजरायल के साझा हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल को निशाना बनाने के साथ-साथ बहरीन, सऊदी अरब, कतर समेत कई देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मिसाइल से हमले किए हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि वहां रहने वाले लोगों के सामने किस तरह की मुश्किलें खड़ी हो रही होंगी। स्वाभाविक ही भारत के सामने बड़ी चिंता उन इलाकों में फंसे भारतीयों को वापस लाने की है।दरअसल, समूचे पश्चिम एशिया का इलाका इस समय युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो गया लग रहा है। स्वाभाविक ही वहां रह रहे तमाम आम लोगों के सामने खुद को सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, जो लोग दूसरे देशों से वहां गए हैं, वे किसी तरह वहां से निकलने की उम्मीद में हैं। ऐसे में भारत सरकार ने युद्ध प्रभावित देशों से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कोशिश शुरू की है, लेकिन ठोस नतीजे के लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है।सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात की समीक्षा की और सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे घटनाक्रम से प्रभावित भारतीयों की सहायता के लिए जरूरी और व्यावहारिक कदम उठाएं।सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि युद्ध के असर से जूझ रहे देशों में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों से बातचीत की गई है। भारत ने शांति और सुरक्षा के साथ-साथ विवादों के समाधान के लिए संवाद तथा कूटनीति का समर्थन किया है, लेकिन फिलहाल ज्यादा जरूरत इस बात की है कि युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाए।गौरतलब है कि ईरान में करीब दस हजार भारतीय नागरिक रहते हैं, जो पढ़ाई और काम करते हैं। वहीं इजरायल में चालीस हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं। इसके अलावा, खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में लगभग नब्बे लाख भारतीय रहते हैं।इन देशों में सैन्य तनाव बढ़ने और युद्ध का दायरा फैलने की वजह से उड़ान सेवाएं व्यापक पैमाने पर बाधित हुई हैं और बहुत सारे वैसे भारतीय उन जगहों के हवाईअड्डों पर फंसे हुए हैं, जो किसी तरह वतन लौटना चाहते हैं।

यह मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं है; यह उस निरंतर मानसिक और सामाजिक दबाव से बाहर निकलने का प्रयास है जिसमें हर व्यक्ति को हर विषय पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी होती है। आज का युवा, जो दिन भर संदेशों, सूचनाओं, टिप्पणियों और दृश्य सामग्री के प्रवाह में डूबा रहता है, पहली बार यह अनुभव कर रहा है कि उसकी सबसे बड़ी थकान श्रम से नहीं, बल्कि निरंतर अभिव्यक्ति की बाध्यता से उत्पन्न होती है। यही कारण है कि ध्यान-शिविरों, साइलेंट-रिट्रीट, डिजिटल डीटॉक्स और एकांत यात्राओं की ओर उसका आकर्षण बढ़ रहा है। यह पलायन नहीं अपितु प्रतिरोध है।

मौन का पुनर्जन्म- शोर के युग में चुप रहने का आध्यात्मिक प्रतिरोध

(अनन्या मिश्रा)

डिजिटल दबाव और निरंतर अभिव्यक्ति से थकान बढ़ी है। युवा ध्यान, साइलेंट रिट्रीट और मौन की ओर आकर्षित हैं। मौन मानसिक संतुलन, आंतरिक अनुभव, सांस्कृतिक प्रतिरोध और अस्तित्व की वास्तविक अनुभूति प्रदान करता है।

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां बोलना केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा, बल्कि अस्तित्व का प्रमाण बन गया है। यदि हम सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट नहीं कर रहे, यदि हम किसी चर्चा में अपनी राय व्यक्त नहीं कर रहे, यदि हमारी उपस्थिति डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर दिखाई नहीं दे रही, तो मानो हम धीरे-धीरे अदृश्य होते जा रहे हैं। निरंतर अभिव्यक्ति की यह संस्कृति इतनी गहराई से हमारे जीवन में प्रवेश कर चुकी है कि चुप रहना अब स्वाभाविक नहीं, बल्कि असामान्य प्रतीत होता है। परंतु इसी असामान्यता के भीतर एक नई आध्यात्मिक प्रवृत्ति जन्म ले रही है जो है मौन का पुनर्जन्म।

यह मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं है; यह उस निरंतर मानसिक और सामाजिक दबाव से बाहर निकलने का प्रयास है जिसमें हर व्यक्ति को हर विषय पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी होती है। आज का युवा, जो दिन भर संदेशों, सूचनाओं, टिप्पणियों और दृश्य सामग्री के प्रवाह में डूबा रहता है, पहली बार यह अनुभव कर रहा है कि उसकी सबसे बड़ी थकान श्रम से नहीं, बल्कि निरंतर अभिव्यक्ति की बाध्यता से उत्पन्न होती है। यही कारण है कि ध्यान-शिविरों, साइलेंट-रिट्रीट, डिजिटल डीटॉक्स और एकांत यात्राओं की ओर उसका आकर्षण बढ़ रहा है। यह पलायन नहीं अपितु प्रतिरोध है।

मौन का यह नया आकर्षण भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के लिए नया नहीं है, परंतु इसका संदर्भ नया है। उपनिषदों में कहा गया है कि अंतिम सत्य शब्दों से परे है - यतो वाचो निवर्तन्ते- जहाँ वाणी लौट आती है। दक्षिणामूर्ति की प्रतिमा में गुरु मौन रहकर शिष्यों को ज्ञान देते हैं, और यह मौन ही सर्वोच्च उपदेश माना गया है। परंतु उस समय मौन साधना का मार्ग था; आज मौन मानसिक संतुलन की आवश्यकता बन गया है।

जीवन का आंतरिक आयाम धीरे-धीरे क्षीण होने लगता॥ डिजिटल संस्कृति ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया है, परंतु साथ ही उसने एक ऐसी अदृश्य बाध्यता भी उत्पन्न की है जिसमें हर व्यक्ति स्वयं को निरंतर प्रस्तुत करने के लिए बाध्य महसूस करता है। विचार अभी पूर्ण रूप से बन भी नहीं पाता कि उसे साझा करने का दबाव उत्पन्न हो जाता है। अनुभव अभी भीतर उतर भी नहीं पाता कि उसका दृश्य रूप तैयार कर लिया जाता है। इस प्रक्रिया में जीवन का आंतरिक आयाम धीरे-धीरे क्षीण होने लगता है। मौन की ओर लौटना इस क्षरण के विरुद्ध एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो मौन केवल आध्यात्मिक अभ्यास नहीं, बल्कि तंत्रिका-तंत्र की पुनर्स्थापना का माध्यम है। निरंतर सूचना-प्रवाह और प्रतिक्रिया की अपेक्षा मस्तिष्क को सतत सक्रिय अवस्था में रखती है, जिससे चिंता, थकान और ध्यान-भंग की समस्या बढ़ती है। जब व्यक्ति कुछ समय के लिए भी बोलना और सुनना बंद करता है, तब वह पहली बार अपने भीतर चल रही सूक्ष्म गतिविधियों को अनुभव कर पाता है। मौन उसे यह अवसर देता है कि वह प्रतिक्रिया के स्थान पर साक्षी भाव में स्थित हो सके। यहाँ एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक परिवर्तन दिखाई देता है। पहले मौन को सामाजिक रूप से असहज स्थिति माना जाता था; बातचीत में विराम आना असफलता समझा जाता था। आज वही मौन एक मूल्य बन रहा है। छोटे-छोटे ध्यान-समूह, बिना बातचीत की यात्राएँ, बिना मोबाइल के बिताए गए दिन... ये सब उस नई जीवन-दृष्टि के संकेत हैं जिसमें व्यक्ति अपनी ऊर्जा को बाहर नहीं, भीतर केंद्रित करना चाहता है। क्योंकि भीतर विचारों का शोर चलता रहता है मौन का यह पुनर्जन्म एक और स्तर पर भी महत्वपूर्ण है कि यह उपभोक्तावादी संरचना के विरुद्ध खड़ा होता है। आधुनिक अर्थव्यवस्था ध्यान पर आधारित है ङ्क यानि जितना अधिक समय हम स्क्रीन पर बिताते हैं, उतना ही हम इस संरचना का हिस्सा बनते हैं। मौन और ऑफलाइन समय इस अर्थव्यवस्था के प्रवाह को तोड़ते हैं। इस दृष्टि से मौन केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रतिरोध भी है। परंतु यह मौन केवल बाहरी नहीं हो सकता। केवल शब्दों को रोक देना पर्याप्त नहीं, क्योंकि भीतर विचारों का शोर चलता रहता है। वास्तविक मौन तब उत्पन्न होता है जब व्यक्ति स्वयं को निरंतर परिभाषित करने की आवश्यकता से मुक्त होने लगता है। जब वह कुछ समय के लिए यह भूल जाता है कि उसे कौन-सा रूप प्रस्तुत करना है, तब वह अपने उस स्वरूप के निकट पहुँचता है जो किसी प्रदर्शन का विषय नहीं है। नई पीढ़ी के लिए यह अनुभव अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह ऐसी दुनिया में बड़ी हुई है जहाँ पहचान को निरंतर प्रदर्शित करना पड़ता है। मौन उसे पहली बार यह अनुभव कराता है कि उसका अस्तित्व उसकी अभिव्यक्ति से बड़ा है। यह अनुभव आध्यात्मिक है, क्योंकि यह व्यक्ति को उसकी आंतरिक उपस्थिति से जोड़ता है। मौन का पुनर्जन्म इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें संवाद की एक नई गुणवत्ता की ओर ले जा सकता है। जब शब्द कम होते हैं, तब सुनना गहरा होता है। जब प्रतिक्रिया का दबाव नहीं होता, तब अनुभव अधिक स्पष्ट होता है। जब व्यक्ति स्वयं से मिलने लगता है, तब उसका संबंध दूसरों से भी अधिक प्रामाणिक हो जाता है। आज जब वर्ष का अधिकांश समय शोर, गति और निरंतर गतिविधि में बीत जाता है, तब यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या हम कभी सच में अपने साथ अकेले होते हैं। शायद मौन की ओर लौटने की यह प्रवृत्ति हमें यह स्मरण कराती है कि जीवन का सबसे गहरा आयाम अभिव्यक्ति में नहीं, बल्कि उपस्थिति में है। और संभवतः यही कारण है कि नई पीढ़ी, जो सबसे अधिक बोलने वाली पीढ़ी मानी जाती है, अब चुप रहने की कला को फिर से खोज रही है। यह लेखक के निजी विचार हैं।

क्या मध्य-पूर्व एक और 'महायुद्ध' की दहलीज पर है?

(पुष्परंजन)

अगर यह लड़ाई लंबी खिंचती है, तो यह खाड़ी देशों के लिए एक असली बदलाव बिंदु बन सकती है। एक ऐसा मोड़, जो देशों की सुरक्षा, उभयपक्षीय सहयोग और यहां तक कि उनके लंबे समय के आर्थिक भविष्य के बारे में सोचने के तरीके को बदल देगा।

ईरान पर अमेरिका-इजराइल के व्यापक हमले को दो दिन हुए हैं, यह पहले से ही साफ है कि इसका मध्य-पूर्व और खासकर खाड़ी पर गहरा असर पड़ेगा। अमेरिका-इजराइल की बमबारी में कई बड़े अधिकारियों के साथ सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके परिवार के लोग भी मारे गए हैं। ईरान में 40 दिन का शोक है। तेहरान ने न सिर्फ इजराइल बल्कि इस इलाके के कई देशों पर हमले करके जवाब दिया है।

सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कुवैत और ओमान सभी पर ईरानी मिसाइलों या ड्रोन से हमला किया गया, जबकि इनमें से किसी भी देश ने अपने इलाके से ईरान पर हमला नहीं किया था। इन देशों में कई जगहों को निशाना बनाया गया, जिनमें अमेरिकी सैन्य अड्डे, हवाई अड्डे, बंदरगाह और वाणिज्यिक इलाके भी शामिल थे।

अगर यह लड़ाई लंबी खिंचती है, तो यह खाड़ी देशों के लिए एक असली बदलाव बिंदु बन सकती है। एक ऐसा मोड़, जो देशों की सुरक्षा, उभयपक्षीय सहयोग और यहां तक कि उनके लंबे समय के आर्थिक भविष्य के बारे में सोचने के तरीके को बदल देगा। ईरान से जुड़ा कोई भी लंबा संघर्ष समुद्री यातायात को प्रभावित करेगा, खासकर होर्मुज की खाड़ी, जो दुनिया की आर्थिक धमनियों में से एक है। थोड़ी बहुत रुकावट से ऊर्जा की कीमतें तेज हो जाएंगी, जो निवेशकों के लिए नई चिंता पैदा कर सकती हैं।

हां, तेल की ज्यादा कीमतें अल्पकालिक राजस्व को बढ़ा सकती हैं, फिर भी ऊर्जा बाजार असंतुलित हो जाएगा। क्या ट्रंप तेल की कीमतों में भी उछाल चाहते थे? चीन और रूस ज्यादा देर चुपचाप नहीं रहेंगे। मास्को यदि सीधा नहीं भी कूदा, मगर इस उथल-पुथल का फायदा उठाकर हथियारों की बिक्री बढ़ा सकता है, वह क्षेत्रीय बंटवारे का भी लाभ उठा सकता है।

इस संदर्भ में जो वार्ता जिनेवा में चल रही थी, उसे ठीक से देखा जाए तो जो लोग मध्यस्थता कर रहे थे, उन्हें भी भरोसे में नहीं लिया गया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराकची ने वार्ता के इस दौर को, जो ओमान की मध्यस्थता और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजंसी के महानिदेशक राफेल ग्रासी की उपस्थिति में आयोजित किया गया था, आज तक की 'सबसे गंभीर और सबसे लंबी' वार्ता बताया था।

ईरान के विदेश मंत्री ने वार्ता के माहौल और ओमान की मध्यस्थता की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा था कि कुछ मुद्दों पर सहमति बहुत करीब आ गई है। बेशक, अभी भी मतभेद मौजूद हैं, जो स्वाभाविक है, लेकिन पहले की तुलना में बातचीत के समाधान तक पहुंचने के लिए दोनों पक्षों में अधिक गंभीरता देखी जा रही है।

उधर ईरान के विदेश मंत्री की घोषणा के अनुसार, 'इस बात पर सहमति हुई कि सोमवार से तकनीकी टीमें वियना में और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजंसी में विशेषज्ञ समीक्षा शुरू करेंगी। इस बैठक का उद्देश्य कुछ तकनीकी मुद्दों को एक निश्चित ढांचे में व्यवस्थित करना बताया गया है।' अराकची के मुताबिक, यह तय हुआ था कि हमारे विशेषज्ञों की अगले सोमवार को एजंसी के साथ बैठक होगी। वहां कुछ तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की जानी है, ताकि ये तकनीकी पहलू स्पष्ट हो सकें, जिसके बाद हम राजनीतिक बैठकों में उन पर निर्णय ले सकें।'

अराकची के बयानों से निकट भविष्य में वार्ता के चौथे दौर के आयोजन की योजना की भी जानकारी मिली कि यह बैठक लगभग एक सप्ताह में आयोजित होगी। इस अंतराल में दोनों पक्षों को कुछ कदम उठाने होंगे, दस्तावेज तैयार करने होंगे और स्वाभाविक रूप से अपनी-अपनी राजधानियों में आवश्यक परामर्श करने होंगे। प्रतिबंधों को लेकर ईरान के रुख को स्पष्ट करते हुए जोर दिया गया कि तेहरान की अपेक्षाएं स्पष्ट रूप से रखी गई हैं।

शिक्षण संस्थानों की जवाबदेही और पाठ्यक्रम विवाद

मूल प्रश्न न्यायपालिका की आलोचना का नहीं, बल्कि उसकी प्रस्तुति की संतुलित संरचना का है। लोकतंत्र में किसी भी संस्था की आलोचनात्मक समीक्षा स्वाभाविक और आवश्यक है; किंतु जब प्रस्तुति एकांगी हो, संदर्भ अपूर्ण हों और विद्यार्थियों की आयु-संबंधी संवेदनशीलता की उपेक्षा की जाए, तब समस्या उत्पन्न होती है। कक्षा आठ के विद्यार्थियों के समक्ष यदि न्यायपालिका को भ्रष्टाचार के उदाहरणों के साथ प्रस्तुत किया जाता है, तो उसके साथ उसकी संवैधानिक भूमिका, नागरिक अधिकारों की रक्षा में योगदान तथा सुधारात्मक प्रयासों का उल्लेख भी अनिवार्य है। अन्यथा आलोचना शिक्षण का उपकरण न रहकर पूर्वाग्रह-निर्माण का माध्यम बन सकती है।

(डॉ.अमरेंद्र कुमार पाण्डेय)

हाल के समय में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार संबंधी उल्लेख को लेकर उत्पन्न विवाद ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता और उत्तरदायित्व पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं।

इस प्रकरण में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया जाना तथा केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण माँगा जाना यह संकेत करता है कि पाठ्यक्रम निर्माण अब केवल शैक्षणिक प्रक्रिया भर नहीं रह गया है, बल्कि संवैधानिक मर्यादाओं और संस्थागत संतुलन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय बन चुका है।

मूल प्रश्न न्यायपालिका की आलोचना का नहीं, बल्कि उसकी प्रस्तुति की संतुलित संरचना का है। लोकतंत्र में किसी भी संस्था की आलोचनात्मक समीक्षा स्वाभाविक और आवश्यक है; किंतु जब प्रस्तुति एकांगी हो, संदर्भ अपूर्ण हों और विद्यार्थियों की आयु-संबंधी संवेदनशीलता की उपेक्षा की जाए, तब समस्या उत्पन्न होती है।

कक्षा आठ के विद्यार्थियों के समक्ष यदि न्यायपालिका को भ्रष्टाचार के उदाहरणों के साथ प्रस्तुत किया जाता है, तो उसके साथ उसकी संवैधानिक भूमिका, नागरिक अधिकारों की रक्षा में योगदान तथा सुधारात्मक प्रयासों का उल्लेख भी अनिवार्य है। अन्यथा आलोचना शिक्षण का उपकरण न रहकर पूर्वाग्रह-निर्माण का माध्यम बन सकती है।

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य इस विमर्श को और गहराई प्रदान करता है। सन् 1975 में घोषित आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर गंभीर प्रश्न उठे थे। विशेषकर 'जिला दंडाधिकारी जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला' प्रकरण में दिए गए निर्णय की व्यापक आलोचना हुई।

यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि न्यायपालिका भी त्रुटिहीन नहीं है और उसकी समीक्षा संभव है। किंतु समय के साथ न्यायपालिका ने अनेक महत्त्वपूर्ण निर्णयों के माध्यम से नागरिक स्वतंत्रताओं की रक्षा की और अपनी संस्थागत विश्वसनीयता को सुदृढ़ किया। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि आलोचना का स्वर संतुलित ऐतिहासिक संदर्भ के साथ होना चाहिए।

किशोरावस्था में निर्मित धारणाएँ दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ती हैं। यदि किसी एक संस्था की छवि केवल नकारात्मक संदर्भ में प्रस्तुत की जाती है, तो विद्यार्थियों के मन में व्यापक संस्थागत अविश्वास जन्म ले सकता है। यहाँ यह प्रश्न भी विचारणीय है कि यदि न्यायपालिका को लेकर संशय उत्पन्न होता है, तो क्या विद्यार्थियों के मन में कार्यपालिका के आचरण और कार्यशैली को लेकर भी प्रश्न नहीं उठेंगे?

जब बच्चे पढ़ते हैं कि शासन की किसी संस्था में भ्रष्टाचार संभव है, तो वे स्वाभाविक रूप से यह सोच सकते हैं कि क्या प्रशासनिक तंत्र, मंत्रालयों या सरकारी विभागों में भी ऐसी स्थितियाँ विद्यमान हैं। इस प्रकार असंतुलित प्रस्तुति पूरे शासन-तंत्र के प्रति शंका को जन्म दे सकती है।

शिक्षा का उद्देश्य न अंधविश्वास उत्पन्न करना है और न अंध-अविश्वास, बल्कि विवेकपूर्ण समझ विकसित करना है, जिससे विद्यार्थी संस्थाओं की भूमिका, सीमाएँ और जवाबदेही को संतुलित दृष्टि से देख सकें।

उच्च शिक्षा के स्तर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। केवल दिशा-निर्देश जारी करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन तथा सतत निगरानी भी आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम को अनेक विश्वविद्यालयों ने अपनाया है; किंतु व्यवहारिक स्तर पर चौथे वर्ष की संरचना, शोध की गुणवत्ता तथा शैक्षणिक अनुशासन को लेकर प्रश्न उठे हैं। यदि नीतियों के क्रियान्वयन में स्पष्टता और कठोरता का अभाव रहेगा, तो सुधार की प्रक्रिया औपचारिकता तक सीमित रह सकती है।

पाठ्यक्रम विवादों का इतिहास भी नया नहीं है। सन् 2005 में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा लागू किए जाने के पश्चात इतिहास और सामाजिक विज्ञान की सामग्री को लेकर व्यापक बहसें हुई थीं।

विभिन्न समूहों ने वैचारिक संतुलन और निष्पक्षता पर प्रश्न उठाए। इन घटनाओं से स्पष्ट होता है कि पाठ्यक्रम निर्माण एक संवेदनशील और बहुस्तरीय प्रक्रिया है, जिसमें पारदर्शिता, विशेषज्ञता और उत्तरदायित्व–इन तीनों का समन्वय अनिवार्य है।

इस विषय पर देश के नेतृत्व द्वारा गंभीरता व्यक्त किया जाना शिक्षा तंत्र की व्यापक जवाबदेही की ओर संकेत करता है। जब यह प्रश्न उठता है कि पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा और निगरानी किस स्तर पर होती है, तो यह केवल एक संस्था की चर्चा नहीं रह जाती, बल्कि संपूर्ण शैक्षिक संरचना की पारदर्शिता से जुड़ जाती है। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक आधार-निर्माण की प्रक्रिया भी है।

अतः आवश्यक है कि मतभेदों और बहसों को संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए। पारदर्शी समीक्षा-तंत्र, उत्तरदायी विशेषज्ञ समितियां और प्रभावी निगरानी-व्यवस्था शिक्षा प्रणाली को अधिक सुदृढ़ बना सकती हैं।

निष्कर्षतः शिक्षा व्यवस्था में सुधार अपरिहार्य है, परंतु वह संतुलन, पारदर्शिता और स्पष्ट जवाबदेही पर आधारित होना चाहिए। पाठ्यक्रम केवल तथ्यों का संकलन नहीं, बल्कि दृष्टिकोण-निर्माण का माध्यम है।

यदि इसमें असंतुलन होगा, तो उसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों की लोकतांत्रिक समझ पर पड़ेगा। इसलिए आवश्यक है कि शैक्षिक संस्थानों और संबंधित प्राधिकरणों के बीच समन्वित तथा उत्तरदायी तंत्र स्थापित किया जाए।

बच्चों का विश्वास उनकी बुनियादी शिक्षा व्यवस्था, उसकी पाठ्य-सामग्री और वहाँ अध्यापन करने वाले शिक्षकों पर आधारित होता है। यदि यह विश्वास सुदृढ़ और सकारात्मक बना रहता है, तो वही राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार बनता है।

भारत भी शिक्षा में सुधार, अनुशासन और उत्तरदायित्व के माध्यम से ही आगे बढ़ सकता है। यही हमारी सांस्कृतिक तथा सामाजिक मजबूती का वास्तविक आधार है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

शबरी ऑडिटोरियम में गूंजा 'इंडिया-इंडिया'

जंगल की राह छोड़ अब देशभक्ति के जश्न में शामिल हुए युवा

सुकमा। एक समय जंगलों में बंदूक के साये में जीवन बिताने वाले कई युवा अब समाज की मुख्यधारा में लौटकर देश की जीत का जश्न मना रहे हैं। सुकमा के शबरी ऑडिटोरियम में रविवार को ऐसा ही भावनात्मक दृश्य देखने को मिला, जब आत्मसमर्पित नक्सलियों, पुनर्वासित युवाओं और स्कूली छात्रों ने एक साथ बैठकर टी20 वर्ल्ड कप फाइनल मैच का लाइव प्रसारण देखा और भारतीय टीम की जीत पर 'इंडिया-इंडिया' के नारों से पूरा सभागार गूंज उठा।

जिला प्रशासन की पहल पर आयोजित हुआ कार्यक्रम - जिला प्रशासन की पहल पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में बड़े एलईडी स्क्रीन पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले का प्रसारण किया गया। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन और जिला पंचायत सीईओ मुकुन्द ठकुर के मार्गदर्शन में आयोजित इस आयोजन का उद्देश्य पुनर्वासित युवाओं को सकारात्मक सामाजिक वातावरण से जोड़ना और उनमें राष्ट्रीय भावनाओं को मजबूत करना था।

जंगल से मुख्यधारा तक का सफर - बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद के कारण कई युवाओं का बचपन और युवावस्था जंगलों में बीती। हथियारों और संघर्ष के बीच पले-बढ़े इन युवाओं के जीवन में मनोरंजन, खेल या सामान्य सामाजिक गतिविधियों की जगह बहुत कम थी। लेकिन आत्मसमर्पण के बाद शासन की पुनर्वास नीति के तहत इन्हें एक नया जीवन मिला है। वही युवा समाज के बीच बैठकर क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेल का आनंद लेते हुए देश की जीत पर गर्व महसूस कर रहे हैं। यह दृश्य इस बात का संकेत है कि सही अवसर और सकारात्मक माहौल मिलने पर कोई भी युवा मुख्यधारा की ओर लौट सकता है।

चौके-छक्कों पर गूंजे देशभक्ति के नारे - मैच के दौरान ऑडिटोरियम में उत्साह का माहौल देखने को मिला। भारतीय खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए चौकों और छक्कों पर 'जीतेगा भाई जीतेगा-इंडिया जीतेगा' और 'इंडिया-इंडिया' के नारे गूंजने लगे। पुनर्वासित युवाओं ने हाथों में तिरंगा लहराते हुए टीम इंडिया का उत्साहवर्धन किया। जैसे ही भारत ने मैच जीतकर खिताब अपने नाम किया, पूरा सभागार तालियों और नारों से गूंज उठा। कई युवा मंच के सामने आकर खुशी से झूमते हुए नाचने लगे और एक-दूसरे को जीत की बधाई दी।

पुनर्वास नीति से बदल रही जिंदगी - छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पित युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत युवाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण, शासकीय विभागों में रोजगार के अवसर और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी का मौका दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा पुनर्वासित युवाओं को 5जी मोबाइल फोन भी वितरित किए गए हैं, ताकि वे आधुनिक तकनीक और सूचना से जुड़ सकें और नई संभावनाओं की ओर आगे बढ़ सकें।

अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ आयोजन - कार्यक्रम के दौरान एसडीएम सुकमा सूरज कश्यप, तहसीलदार अम्बर गुप्ता, एपीसी आशीष राम, जिला बाल संरक्षण अधिकारी जितेंद्र बघेल तथा जनसंपर्क अधिकारी सुखसागर वारे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन का मानना है कि ऐसे आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं होते, बल्कि यह पुनर्वासित युवाओं के मन में आत्मविश्वास और अपनत्व की भावना को मजबूत करते हैं। सुकमा में आयोजित यह कार्यक्रम इसी सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बनकर सामने आया, जहां कभी संघर्ष से जुड़े रहे युवा अब देश की जीत का जश्न मनाते नजर आए।

241 बस्तारिया बटालियन में धूमधाम से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

जगदलपुर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 241 बस्तरिया बटालियन द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यालय 241 वाहिनी सेड़वा परिसर में आयोजित इस समारोह में न केवल महिला कार्मिकों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। बल्कि उनके परिवारजनों ने भी पूरे जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत खेल प्रतियोगिताओं के साथ हुई, जिसमें मैदान पर महिलाओं का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। वॉलीबॉल के रोमांचक मुकाबलों से लेकर म्यूजिकल चेयर, फ्रॉग जंप और लेमन स्पून रेस जैसे पारंपरिक खेलों में महिला कार्मिकों और उनके परिजनों ने बढ़-चढ़कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस विशेष अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 241 बस्तरिया बटालियन के कमाण्डेंट श्री हरविन्दर सिंह ने महिलाओं की समाज और सुरक्षा बलों में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होने कहा कि महिलाओं को सक्षम और सशक्त बनाने के साथ-साथ उन्हें पढ़ाई और समाज में बराबरी की हिस्सेदारी दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को आगे बढ़ने और समाज की मुख्यधारा में अपनी पहचान मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान द्वितीय कमान अधिकारी श्री संजय कुमार एवं उप कमाण्डेंट श्री निरंजन कुमार निराला भी उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के समापन पर खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला कार्मिकों और प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर महिला कार्मिकों के चेहरे खिल उठे और यह पूरा आयोजन सुरक्षा बलों के बीच एकता और महिला शक्ति के सम्मान का एक जीवंत उदाहरण बन गया।

महिला कांग्रेस ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मातृशक्ति को सशक्तिकरण का लिया संकल्प

बीजापुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला महिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर द्वारा विधायक निवास, बीजापुर में महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण को समर्पित एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र की मातृशक्ति की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिसमें महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण पर विचार-विमर्श किये। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और समान अवसरों को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर के जिला अध्यक्ष लालू राठौर ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी ने हमेशा महिलाओं को पुरुषों के समान बराबरी का दर्जा देने और उन्हें हर क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। कांग्रेस पार्टी का लक्ष्य एक ऐसे समाज का निर्माण करना है, जहां महिलाएं न केवल सुरक्षित हों, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से भी आत्मनिर्भर और सशक्त हों। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए जिले की मातृशक्ति को उनके अथक योगदान और समाज में बदलाव लाने की उनकी प्रेरणादायी भूमिका को नमन किया। लालू राठौर ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं के उत्थान और उनके हकों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं कार्यक्रम का संचालन कर रही जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और कानूनी अधिकार जैसे मुद्दों पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया जाना चाहिए ताकि इन क्षेत्रों में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित हो इस दिशा में कांग्रेस पार्टी लगातार कार्य कर रही है। कार्यक्रम में महिलाओं ने विभिन्न खेल और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जो न केवल मनोरंजक था, बल्कि महिलाओं की सृजनात्मकता और आत्मविश्वास को दर्शाने वाला भी था। जिला महिला कांग्रेस कमेटी ने इस अवसर पर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई कि वे महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और समान अवसरों के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेंगी। कमेटी ने महिलाओं को प्रोत्साहित किया कि वे अपनी आवाज को बुलंद करें और समाज में बदलाव की वाहक बनें। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रत्ना सोढ़ी, महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव शेख रजिया, पूर्व जनपद अध्यक्ष अनिता तेलम, जनपद सरस्वती सैंड्रा, नीलू पोयाम, मनीषा कोवा, समक्का पठानकार, मीनाक्षी नोब्ली, नगर पंचायत भैरमगढ़ की अध्यक्ष सुखमती मांझी, पूर्व पार्षद सोनमति ताती, शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष संजना चौहान, पूर्व पार्षद कविता यादव, पार्षद बबीता झाड़ी, सरस्वती मंडल, ममता पांडे और माधुरी भगत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के महिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देश में पहली बार पहुंचा घमंडी पंचायत के आश्रित ग्रामों में राशन

ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत, अब नहीं जाना पड़ेगा राशन लेने सोनपुर

नारायणपुर। जिले के अबूझमाड़ दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के अंतर्गत खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर के भ्रमण के दौरान ग्राम जटवर के ग्रामीणों ने राशन लेने के लिए सोनपुर कठिन मार्गो से जाने की जानकारी दी गई थी, कलेक्टर ने उनके मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया था, कलेक्टर के निर्देश का पालन करते हुए खाद्य विभाग के द्वारा इस माह का खाद्यान्न ग्राम पंचायत घमंडी के आश्रित ग्राम जटवर, कोंगोली, वाड़पेंदा, परीयादी, बालेबेड़ा तथा ओरछापार के 83 हितग्राहियों को विशेष व्यवस्था के तहत उनके गांव में ही पहली बार पीडीएस खाद्यान्न पहुंचाकर वितरित किया गया। जिला प्रशासन द्वारा खाद्यान्न परिवहन कर सीधे ग्राम जटवर में वितरण सुनिश्चित किया गया। जिला खाद्य अधिकारी अब्राहउद्दीन खान ने जानकारी दिया कि ग्राम घमंडी में अंत्योदय के 208, निराश्रित के 01 और एपीएल के 03 राशनकार्डधारी हितग्राही शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले इन गांवों के ग्रामीणों को राशन प्राप्त करने के लिए दुर्गम जंगल-पहाड़ों के रास्ते कई किलोमीटर पैदल चलकर सोनपुर तक जाना पड़ता था। इस कठिन यात्रा के कारण विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। जिला प्रशासन की इस पहल से अब ग्रामीणों को लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं रही और उन्हें अपने गांव में ही सुविधाजनक तरीके से राशन मिल सका। खाद्यान्न वितरण के दौरान ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस व्यवस्था से उनके समय, श्रम और धन तीनों की बचत हुई है। जिला प्रशासन द्वारा दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में आवश्यक सेवाएं पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहजता से पहुंच सके।

सीआरपीएफ 159 बटालियन मुख्यालय चिकपाल में रक्तदान शिविर, जवानों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

सुकमा। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 87वें स्थापना दिवस के अवसर पर मानवता की सेवा के उद्देश्य से सीआरपीएफ 159 बटालियन द्वारा 159 बटालियन मुख्यालय चिकपाल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। यह रक्तदान शिविर उप महानिरीक्षक, परिचालन रेंज सुकमा के मार्गदर्शन तथा 159 बटालियन के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में आयोजित किया गया। शिविर में 159 बटालियन के साथ-साथ 150 बटालियन और 223वीं बटालियन के जवानों ने भी स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य रक्तदान महादान की भावना को बढ़ावा देना तथा सुरक्षा बलों और आम जनता के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को और मजबूत करना है। साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके, इसी उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी (परिचालन) मनीष कुमार, उप कमांडेंट अमिताभ कृष्ण यादव, के. आर. विनोद कुमार सिंह, 159 बटालियन के चिकित्सा अधिकारी डॉ. काशिफ राजा तथा 150 बटालियन के चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओम प्रकाश सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। रक्त संग्रहण की पूरी प्रक्रिया स्वास्थ्य मानकों के अनुसार सुरक्षित तरीके से संपन्न कराई गई। रक्तदान के बाद द्वितीय कमान अधिकारी (परिचालन) मनीष कुमार ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया तथा उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने जवानों के इस सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में मानवता और सहयोग की भावना को और सशक्त बनाते हैं।

गर्मी में जंगलों की सुरक्षा का 'फायर अलर्ट' : सुकमा में 112 वन अग्नि प्रहरी संभालेंगे मोर्चा

सुकमा। ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ ही जंगलों में आग लगने की घटनाओं की आशंका को देखते हुए सुकमा वनमंडल ने सतर्कता बढ़ा दी है। वन संपदा की सुरक्षा और संभावित वनाग्नि पर त्वरित नियंत्रण के लिए जिले में 112 वन अग्नि प्रहरियों की तैनाती की गई है, जो अगले चार महीनों तक जंगलों की निगरानी कर आग लगने की घटनाओं को रोकने में अहम भूमिका निभाएंगे।

मिलेगा 10 हजार मानदेय - वन विभाग के अनुसार इन प्रहरियों को प्रतिमाह 10 हजार रुपये मानदेय दिया जा रहा है तथा आग बुझाने के लिए फायर ब्लोअर सहित आवश्यक उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं। इनकी जिम्मेदारी वन क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखना और आग की किसी भी घटना पर तुरंत कार्रवाई करना है।

संवेदनशील क्षेत्रों में बनाई गई फायर लाइन - वनाग्नि की रोकथाम के लिए वन विभाग ने पहले से संवेदनशील माने जाने वाले क्षेत्रों में फायर लाइन का निर्माण कराया है, ताकि आग के फैलाव को समय रहते रोका जा सके। इसके साथ ही आसपास के गांवों में पोस्टर और दीवार लेखन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। वन विभाग द्वारा आयोजित तेंदूपत्ता संग्रहण कार्यशालाओं में भी ग्रामीणों को जंगलों में आग से होने वाले नुकसान और उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि अधिकांश मामलों में लापरवाही के कारण ही जंगलों में आग लगती है, इसलिए जनजागरूकता बेहद जरूरी है।

सूचना के लिए हेल्पलाइन जारी - वनाग्नि की घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण के लिए वन विभाग ने वनाग्नि नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया है। इसके साथ ही आग लगने की सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर 7587016212 जारी किया गया है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि कहीं भी जंगल में आग लगती दिखाई दे तो तत्काल इसकी सूचना विभाग को दें, ताकि समय रहते आग पर काबू पाया जा सके और जंगलों को बड़े नुकसान से बचाया जा सके। वन अधिकारियों का कहना है कि जंगल केवल प्राकृतिक संपदा ही नहीं बल्कि स्थानीय ग्रामीणों की आजीविका का भी महत्वपूर्ण आधार हैं। ऐसे में वनाग्नि रोकथाम में प्रशासन के साथ-साथ आम लोगों की भागीदारी भी बेहद जरूरी।

पुनर्वास से नई पहचान : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर खेल मैदान में चमकी आत्मसमर्पित महिलाओं की प्रतिभा

नारायणपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कलेक्टर नम्रता जैन के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन क्रीड़ा परिसर खेल मैदान में किया गया। प्रतियोगिता में पुनर्वास केंद्र नारायणपुर में रह रही आत्मसमर्पित माओवादी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। खेल प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया, जिसमें पुनर्वास की महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का परिचय दिया। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सुनीता एवं उनकी टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं रस्सा खींच प्रतियोगिता में कारी कोर्राम और उनकी टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। जलेबी दौड़ में सुदिया आलम ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि कुर्सी दौड़ में रीता मांडवी प्रथम स्थान पर रहीं। मटका फोड़ प्रतियोगिता में चैते पद्दा ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के दौरान पुनर्वास की महिलाओं ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ अपनी भागीदारी दर्ज कराई तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह आयोजन महिलाओं को आत्मविश्वास, प्रोत्साहन और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

किरंदुल में मंडल प्रशिक्षण वर्ग संपन्न, सात सत्रों में कार्यकर्ताओं को मिला मार्गदर्शन

किरंदुल । भारतीय जनता पार्टी मंडल किरंदुल द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत आयोजित मंडल प्रशिक्षण वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। किरंदुल स्थित जैन भवन में आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में पार्टी की विचारधारा, कार्य पद्धति, संगठन विस्तार और आधुनिक तकनीक जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।सात अलग अलग सत्रों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत बनाने और बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता और जिला संयोजक सत्यजीत सिंह चौहान के मार्गदर्शन में वक्ताओं की सूची तय की गई थी। प्रशिक्षण सत्रों में वक्ता पायल गुप्ता ने सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं के क्रियान्वयन पर जानकारी दी। ओजस्वी मंडावी ने कार्य विस्तार, रामू नेताम ने कार्य पद्धति, राजमन बघेल ने वैचारिक अधिष्ठान तथा कमला विनय नाग ने पार्टी के इतिहास और विकास पर अपने विचार रखे। वही संतोष गुप्ता ने सोशल मीडिया और एआई के उपयोग पर जानकारी दी तथा राजेश कश्यप ने बूथ प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण में बदलते दौर के साथ तकनीक के उपयोग पर भी विशेष जोर दिया गया।

जिला अस्पताल नारायणपुर में 10 माह बाद फिर शुरू हुई मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा

नारायणपुर। जिला अस्पताल नारायणपुर में लगभग 10 माह के अंतराल के बाद मोतियाबिंद (कैटरैक्ट) ऑपरेशन की सुविधा पुनः शुरू कर दी गई है। सुविधा शुरू होने के पहले ही दिन अस्पताल में छह मरीजों का सफलतापूर्वक मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन सफल रहने से मरीजों और उनके परिजनों में खुशी का माहौल देखा गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार लंबे समय से क्षेत्र के मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए रायपुर या अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। इससे उन्हें आर्थिक और समय दोनों तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब जिला अस्पताल में ही यह सुविधा उपलब्ध होने से नारायणपुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को काफी राहत मिलेगी। अस्पताल की विशेषज्ञ डॉक्टर अनुषा सिंह और ऑपरेशन थियेटर की टीम ने आधुनिक तकनीक और पूरी सावधानी के साथ सभी छह मरीजों का सफल ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के बाद सभी मरीजों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय देखरेख में रखा गया है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि आगे भी नियमित रूप से मोतियाबिंद ऑपरेशन किए जाएंगे, ताकि जिले के अधिक से अधिक जरूरतमंद मरीजों को इस सुविधा का लाभ मिल सके। इससे जिले में नेत्र उपचार सेवाओं को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस पहल को सफल बनाने में जिला प्रशासन का विशेष सहयोग रहा। कलेक्टर नम्रता जैन के मार्गदर्शन में अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने समन्वय बनाकर इस सुविधा को पुनः शुरू किया, जिससे अब जरूरतमंद मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर उपचार उपलब्ध हो सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

बिल्हा में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती, 16 से 30 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन

बिलासपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग की एकीकृत बाल विकास परियोजना बिल्हा द्वारा जारी सूचना के अनुसार वार्ड क्रमांक 07 कालिका नगर एवं वार्ड क्रमांक 10 भक्त कंवर राम वार्ड के आंगनबाड़ी केंद्रों में सहायिका के रिक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 16 मार्च 2026 से 30 मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। इसके लिए अभ्यर्थियों को ढ्ढह्लह्लश्चह्य://222.द्व-ढ्ढद्गढ्ढह्- ह्लद्ग.द्वद्ग/ वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा। परियोजना कार्यालय द्वारा स्पष्ट किया गया है कि ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया और जानकारी के लिए अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध यूजर मैनुअल का भी उपयोग कर सकते हैं। इस संबंध में सूचना आयुक्त नगर पालिका निगम बिलासपुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत बिल्हा तथा एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय के सूचना पटल पर भी चस्पा कर दी गई है।

डीईओ ने अनुकंपा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर। जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्यालय में अनुकंपा नियुक्ति के लिए प्राप्त 4 आवेदकों के आवेदन के छानबीन के क्रम में 7 दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। यदि आवेदक के परिवार के कोई भी सदस्य शासकीय सेवा में कार्यरत हो अथवा किसी प्रकार के अपराधिक या न्यायालीन मामले उनके विरूद्ध लंबित हो तो इसकी जानकारी उक्त समयावधि में बंद लिफाफे में या स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर जानकारी दे सकते है। डीईओ ने आगे बताया कि कोटा ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला कन्या रतनपुर में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत स्व. श्री राजेश कुमार दुबे के परिवार से उनके पुत्र श्री गौरव कुमार दुबे ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। इसी प्रकार शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गिरधौना में शिक्षक एल.बी. के पद पर कार्यरत स्व. श्री लालचंद साहू के पुत्र श्री देव कुमार साहू, शासकीय प्राथमिक शाला बेलटुकरी में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत स्व. श्री सतीश कुमार देवांगन की पत्नी श्रीमती सुनीता देवांगन एवं प्राथमिक शाला मंजूरपहरी में प्रधान पाठक पद पर कार्यरत स्व. श्री भगत नारायण गंधर्व के परिवार से उनकी पत्नी श्रीमती राजकुमारी गंधर्व ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आवेदकों के संबंध में जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कक्ष क्रमांक 25 पुरानी कम्पोजिट बिल्डिंग में निर्धारित अवधि में दिया जा सकता है। विलंब से प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

जीवनदीप समिति की बैठक 17 मार्च को

बिलासपुर। जिला चिकित्सालय के जीवनदीप समिति की बैठक कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में 17 मार्च को शाम 5 बजे से मातृ एवं शिशु अस्पताल के तृतीय तल के सभाकक्ष में होगी। बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है।

महाधिवक्ता कार्यालय में पुराने नस्तियों-अभिलेखों के विक्रय हेतु 16 मार्च तक निविदा आमंत्रित

बिलासपुर। महाधिवक्ता कार्यालय, बिलासपुर द्वारा कार्यालयीन नस्तियों एवं अभिलेखों को विनिष्ट कर विक्रय किए जाने के लिए सीमित निविदा आमंत्रित की गई है। जारी सूचना के अनुसार इच्छुक निविदाकार 16 मार्च 2026 की शाम 5 बजे तक अपनी निविदा प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा की शर्तों के अनुसार नस्तियों और अभिलेखों को विनिष्ट करने के लिए आवश्यक मशीन कार्यालय परिसर में स्थापित करनी होगी।यह निविदा माननीय महाधिवक्ता महोदय के आदेशानुसार जारी की गई है।

प्लास्टिक प्रोसेसिंग इकाई के लिए आवेदन 15 मार्च तक

बिलासपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले के ग्राम पंचायत अकलतरी (बिल्हा) में प्लास्टिक प्रोसेसिंग इकाई (एम.आर.एफ) की स्थापना की जाएगी। इस इकाई के माध्यम से प्लास्टिक एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य किया जाएगा। इसमें बेलिंग (10 एचपी), फटका (15 एचपी), श्रेडिंग/ग्राइंडर (20 एचपी), कन्वेयर बेल्ट, वजन मशीन, प्लास्टिक ग्रेनुवल, स्क्रूडर-मदर बेबी (40-50 एचपी), प्रेस मशीन, कटर मशीन (3-5 एचपी), एग्रो मशीन मोटर सहित (70-80 एचपी), वाटर टैंक, वाशिंग प्वाईंट-ड्रॉयर, कॉर्डिंना मशीन, फायर सेफ्टि मशीन व अन्य आवश्यक उपकरणों को प्रारंभिक चरण में स्थापित करते हुए कार्य का क्रियान्वयन सह संचालन किया जाना होगा।

हिट एंड रन मामलों में 2 लाख सहायता के प्रकरण बनाने के निर्देश

सड़क दुर्घटनाओं का ऑडिट कर सुधार कार्य करें: कलेक्टर संजय

■ टीएल बैठक में योजनाओं की समीक्षा, पीएम सूर्य घर योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने मंगलवार को आयोजित टाइम लिमिट (टीएल) बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं, लंबित प्रकरणों और जनहित से जुड़े मामलों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से सड़क दुर्घटनाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति और लंबित आवेदनों के त्वरित निराकरण पर जोर दिया।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने अज्ञात वाहन से हुई सड़क दुर्घटनाओं से हुई उवनज के मामलों में हिट एंड रन केस के अंतर्गत मृतकों के परिजनों को दी जाने वाली 2 लाख रुपये की सहायता राशि के प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यह योजना 1अप्रैल 2022 से लागू है और इस तिथि के बाद के पुराने प्रकरण भी स्वीकार किए जाएंगे। जिले में अब तक ऐसे चार मामले चिन्हित किए गए हैं। बैठक में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार सुविधा की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि जिले में 37 अस्पतालों को चिन्हांकित किया गया है। कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं का ऑडिट करने के निर्देश देते हुए कहा कि भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक सुधार कार्य किए जाएं। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत बंद हो चुकी खदानों को शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी खदानों को महिला स्व-सहायता समूहों को मत्स्य पालन के लिए दिया जाए, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा में बताया गया कि जिले में अब तक 2,500 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि लगभग 7,000 लोगों ने पंजीयन कराया है। कलेक्टर ने प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में स्मार्ट मीटर लगाने की प्रगति की भी जानकारी ली गई। अधिकारियों ने बताया कि जिले में अब तक 75 प्रतिशत घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि किसी भी खाताधारक की मृत्यु की सूचना ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय द्वारा संबंधित बैंक को तत्काल दी जाए, ताकि परिजनों को 2 लाख रुपये का बीमा क्लेम समय पर मिल सके। आगामी बरसात के मौसम में वृक्षारोपण की तैयारी को लेकर कलेक्टर ने पौधों की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने उद्यानिकी विभाग को 4 लाख और वन विभाग को 2 लाख पौधे तैयार रखने के निर्देश दिए। बैठक में स्कूलों में बालिकाओं के लिए शौचालय निर्माण की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि जहां आवश्यकता है वहां डीएमएफ अथवा अन्य योजनाओं से राशि उपलब्ध कराकर शौचालय निर्माण कराया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी इसकी लिस्ट देंगे।साथ ही उन्होंने स्कूली बच्चों के लगभग 50 हजार लंबित अपार आईडी शीघ्र बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जनगणना कार्य को समय-सीमा वाला अभियान बताते हुए कहा कि जिस भी अधिकारी-कर्मचारी की ड्यूटी लगाई जाए वह तुरंत जॉइन कर अपना दायित्व निभाए। बैठक में मुख्यमंत्री जनदर्शन, मुख्यमंत्री घोषणाएं, हाईकोर्ट प्रकरण, पीएमओ पोर्टल तथा विभिन्न आयोगों और वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला कर्मचारियों का सम्मान.....

राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन संपन्न

बिलासपुर। राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन एक निजी होटल में संपन्न हुआ। अधिवेशन में संगठन की मजबूती, कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा और डाक विभाग की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में डाक कर्मचारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिवेशन के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि संघ का पिछला द्विवार्षिक अधिवेशन 17 दिसंबर 2023 को बिलासपुर में आयोजित किया गया था, जबकि राष्ट्रीय स्तर का अधिवेशन 9 से 10 जून 2024 को उज्जैन में संपन्न हुआ था। इन अधिवेशनों में कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों, संगठन की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर व्यापक चर्चा की गई थी। कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारियों ने कहा कि डाक विभाग के कर्मचारी सीमित संसाधनों और कई प्रकार की चुनौतियों के बावजूद पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। तकनीकी समस्याएं, कार्यभार की अधिकता, कर्मचारियों की कमी और बदलते कार्य स्वरूप के बावजूद भी डाक कर्मचारी प्रशासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि डाक विभाग आज भी देश के दूर-दराज़ क्षेत्रों तक सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम को विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित किया गया। महिला कर्मचारियों ने केक काटकर महिला दिवस का उत्सव मनाया और उत्कृष्ट योगदान के लिए महिला कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया।

महिला दिवस पर बहतराई में एक दिवसीय महिला खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई

बिलासपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बालिकाओं एवं महिलाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्व. बी.आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई, बिलासपुर में एक दिवसीय महिला खेल प्रतियोगिता का कल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 12 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की बालिकाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में कबड्डी, तीरंदाजी, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल तथा हॉकी खेलों का आयोजन किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता में बालिका आवासीय कबड्डी अकादमी, बिलासपुर विजेता तथा बालिका आवासीय कबड्डी अकादमी, बिलासपुर उपविजेता रही। तृतीय स्थान वीर शिवाजी कबड्डी अकादमी, बिलासपुर और चतुर्थ स्थान बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर को प्राप्त हुआ। तीरंदाजी प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में सुलोचना राज प्रथम, पायल मरावी द्वितीय और माया बघेल तृतीय स्थान पर रहीं। जूनियर वर्ग में नंदनी पोर्ते प्रथम, यामिनी धीवर द्वितीय तथा सिमरन खुसरो तृतीय स्थान पर रहीं। सब-जूनियर वर्ग में स्नेहा प्रथम, निकिता द्वितीय और विनीता नेताम तृतीय स्थान पर रहीं, जबकि मिनी वर्ग में एकता ध्रुव प्रथम, नेहा यादव द्वितीय तथा स्मृति नेताम तृतीय स्थान पर रहीं। बास्केटबॉल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ बास्केटबॉल टीम, बिलासपुर विजेता तथा बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर उपविजेता रही। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में पुलिस लाइन, बिलासपुर की टीम विजेता तथा राजकिशोर नगर, बिलासपुर की टीम उपविजेता रही। बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। हॉकी प्रतियोगिता में टीम 'ए' स्व. बी.आर. यादव राज्य हॉकी, बिलासपुर विजेता रही, जबकि टीम 'बी' खेलो इंडिया हॉकी, बिलासपुर उपविजेता रही। टीम 'सी' हॉकी बिलासपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा टीम 'डी' हॉकी बिलासपुर को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहायक संचालक ए. एक्का, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. सुनील गौरहा, हॉकी हेड कोच अजीत ई. लकड़ा, वरिष्ठ प्रशिक्षक राकेश टोप्पो, कबड्डी प्रशिक्षक दिल कुमार राठौर, वॉलीबॉल प्रशिक्षक हरगुलशन सिंह, श्री श्रीनिवास नायर, तीरंदाजी सहायक प्रशिक्षक ए.पी.सी. ईतवारी राज, मनमोहन पटेल सहित स्व. बी.आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्युत कर्मियों को मिलेगी 3 करोड़ का कवरेज एसके कटियार

कोरबा। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी एवं बैंक आफ बड़ौदा के बीच अनुबंध करार किया गया। यह अनुबंध नियमित कर्मचारियों के लिए सैलरी पैकेज के साथ उन्नत बैंकिंग सुविधाएं और ज्यादा कवरेज के लिए किया गया है। इस अवसर पर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक एसके. कटियार और बैंक आफबड़ौदा के श्री देवाकर के बीच करार पर हस्ताक्षर किया गया। कटियार ने इस अनुबंध को कंपनी एवं कर्मचारी हित में बड़ा कदम बताया है। जनरेशन कंपनी मुख्यालय के अलावा हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व एवं अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा में कुल 2700 अधिकारी कर्मचारी कार्यरत है,जिन्हें इस अनुबंध से सीधा लाभ मिलेगा। कंपनी ने विद्युतकर्मियों के लिए बैंक से विशेष पैकेज बनाने का अनुरोध किया था,जिससे कर्मियों को एक ही बैंक में किफायती एवं आधुनिक सुविधाएं प्राप्त हो सके। बैंक द्वारा बताया गया कि केंद्र सरकार के साथ अनुबंध होने के साथ-साथ राज्य के अलग अलग सरकारी विभागों में वो ऐसी सुविधाएं दे रहे हैं। जनरेशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक संदीप मोदी ने बताया कि इस अनुबंध में 12 लाख तक का बीमा कवर है साथ ही दुर्घटना एवं प्लेन दुर्घटना के लिए 1 से 2 करोड़ का कवरेज है। इसके अलावा डेबिट, क्रेडिट कार्ड में कई प्रकार के छूट एवं आकर्षक सुविधाएं है। न्यूनतम ब्याज दर पर सभी प्रकार की लोन सुविधा भी उपलब्ध है।

जनदर्शन में सुनी गई आमजन की समस्याएं-कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश...

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें कलेक्टर के समक्ष रखीं। जनदर्शन में बेलगहना तहसील के ग्राम केंदाडांड निवासी गेंददास ने बताया कि उनकी जमीन दो वर्ष पहले नहर निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई थी, लेकिन अब तक मुआवजा नहीं मिला है। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम कोटा को प्रकरण की जांच कर तत्काल मुआवजा भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनपद पंचायत बिल्हा के सरवनदेवी गांव की सरपंच ने नदी में हो रहे अवैध रेत उत्खनन की शिकायत करते हुए बताया कि उत्खनन से नदी में गहरे गड्ढे बन गए हैं, जो जानलेवा साबित हो सकते हैं। कलेक्टर ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उप संचालक खनिज प्रशासन को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। नगर निगम बिलासपुर के वार्ड क्रमांक 56 निवासी शिवनाथ मिश्रा ने दो माह से निराश्रित पेंशन नहीं मिलने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बिल्हा तहसील के ग्राम खैरखुंडी की सरपंच ने पटवारी रामफल वस्त्रकार के विरुद्ध शिकायत करते हुए बताया कि वह अक्सर नशे की हालत में रहता है और राजस्व संबंधी छोटे छोटेकार्यों के लिए बड़े रकम की मांग करता है। कलेक्टर ने एसडीएम बिलासपुर को मामले की जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मस्तूरी जनपद पंचायत के ग्राम भनेसर में कार्यरत रोजगार सहायक के विरुद्ध भी शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें फर्जी हाजिरी लगाने और ग्रामीणों से आवास के लिए राशि वसूली करने का आरोप लगाया गया। कलेक्टर ने संबंधित जनपद पंचायत सीईओ को शिकायत की जांच करने को कहा। जूना बिलासपुर निवासी श्रीमती जाम बाई पटनवार ने पांच वर्षों से सीमांकन नहीं होने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने एसडीओ बिलासपुर को कार्रवाई के निर्देश दिए। तखतपुर विकासखंड के चिचिंरदा गांव के ग्रामीणों ने आनंदी बिल्डर द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने की शिकायत की। कलेक्टर ने एसडीएम तखतपुर को मामले की जांच के निर्देश दिए।

बिलासपुर संभाग के 08 जिलो के 159 प्रकरण में महा जन सुनवाई किया,जिसमें 28 प्रकरण नस्तीबद्ध हुआ...

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक द्वारा राज्य की महिलाओं को त्वरित राहत पहुँचाने के उद्देश्य से एक वृहद और संवेदनशील निर्णय लिया गया है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोग द्वारा आगामी 10 मार्च 2026 को बिलासपुर संभाग के लिए महा जन-सुनवाई सप्ताह का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष, बिलासपुर में किया जा रहा है। आज बिलासपुर संभाग में 02 महा जन-सुनवाई व प्रदेश स्तर पर 377वी एवं जिला स्तर पर 22वीं सुनवाई हुई। जिसमें बिलासपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले जिले बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, जांजगीर चांपा, सक्ति, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, मुंगेली एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ के कुल 159 प्रकरणों की एक साथ सुनवाई की गई। इस महाजन-सुनवाई में बिलासपुर संभाग के जिला कोरबा के 29 में से 05 प्रकरण, जांजगीर-चाम्पा के 22 में से 04 प्रकरण सक्ती के 10 में से 01 प्रकरण रायगढ़ के 46 में से 05 प्रकरण तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़, के 13 में से 03, मुंगेली के 07 में से 03, जीपीएम 02, बिलासपुर के 19 में से 04 प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। कुल 159 प्रकरण में से 28. प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। दोनो पक्षो के कुल 159 पक्षकारो ने पंजीयन कराया था बाकी पक्षकार अनुपस्थित है जिसमें आगामी निराकरण हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया जायेगा। सुनवाई के दौरान एक प्रकरण में आवेदिका एवं अनावेदक दोनो पक्ष उपस्थित हुये। उनको सुना गया अनावेदक ने अपना दस्तावेज प्रस्तुत किया आगे की सुनवाई दिनांक 06.04.2026 को रायपुर में रखी गई। एक अन्य प्रकरण में दोनो पक्ष उपस्थित हुये। आवेदिका उपस्थित एवं अनावेदकगण क्रं. 02 अनुपस्थित शेष अनावेदकगण उपस्थित। आवेदिका ने बताया कि विवाह के समय सूची अनुसार 29 लाख 73 हजार का सामान दिया गया था। जिसमें लगभग 15 लाख कीमत की कार दी गई जो अभी आवेदिका के पास है शेष सामान अनावेदकगण के पास है। जिसे अनावेदकगण ने अब तक वापस नहीं किया है। अनावेदक कं. 02 जो कि आवेदिका का ससुर है उसे तीलक का 5 लाख रूपया आवेदिका के माता पिता ने दिया था उस समय दो गवाह भी उपस्थित थे। जिनके समक्ष अनावेदक क्र 02 को 5 लाख रूपये दिया गया था। अनावेदक पक्ष इस राशि को लेने से इंकार कर रहे है। शादी में दिया गया सभी सामान वापस करने को तैयार है इस हेतु निगरानी हेतु सूरजपुर की संरक्षण अधिकारी को नियुक्त किया जाता है और उन्हें सामाग्री की सूची दी जाती है और दोनो पक्षों से एक तारीख पर बुलाकर सामान का आदान प्रदान करायेगी। शेष बचे धनराशि और अंतिम भरण पोषण राशि तथा आपसी सहमती से तलाक प्रक्रिया के लिये कांउसलिंग करेगे। इसमें बलरामपुर की संरक्षण अधिकारी भी इस प्रकरण में दोनो पक्षो के साथ सूरजपुर की संरक्षण अधिकारी से समन्वय कर रिपोर्ट आयोग को प्रस्तुत करेगे। आगे की सुनवाई दिनांक 06.04.2026 को रायपुर में किया जाना नियत है। एक अन्य प्रकरण में दोनो पक्ष उपस्थित हुये। आवेदिका की बेटी आनावेदक के साथ उसकी दुसरी पत्नी के रूप में रहती थी किन्तु आवेदिका का कथन है कि उसकी हत्या कर दी गई है।

गर्भपात कराकर प्रेमिका से पीछा छुड़ा रहा था युवक,गिरफ्तार

बिलासपुर। सरकंडा क्षेत्र में किराए पर रहकर पढ़ाई करने वाली युवती से दोस्ती कर युवक ने शारीरिक संबंध बनाए, युवती के गर्भवती होने पर युवक ने दबाव बनाकर गर्भपात करा दिया. बाद में उसने शादी करने से इन्कार कर दिया. युवती की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपित को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है. मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है. जानकारी के मुताबिक, सरकंडा क्षेत्र में रहने वाली युवती किराए के मकान में रहकर कॉलेज की पढ़ाई करती थी. इसी दौरान उसकी दोस्ती मंगला के दीनदयाल कालोनी में रहने वाले गौरव दुबे(21) से हुई. उसने युवती से दोस्ती बढ़ाकर शारीरिक संबंध बनाया. इस बीच वह गर्भवती हो गई. युवती ने इस संबंध में गौरव को बताया. तब युवक ने जबरदस्ती करते हुए युवती को गर्भपात करा दिया. इसके बाद भी वह युवती का शारीरिक शोषण करते रहा. जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो उसने इन्कार कर दिया. युवती की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी. पुलिस ने कुछ ही घंटे के भीतर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया. आरोपित को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है.

हिंदू धर्म में कालाष्टमी का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में कालाष्टमी का विशेष महत्व है। हर माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव की उपासना की जाती है। मार्च 2026 में पड़ने वाली कालाष्टमी इसलिए भी खास है क्योंकि यह चैत्र मास की पहली कालाष्टमी है। अक्सर तिथि के विस्तार के कारण लोगों के मन में व्रत की सही तारीख को लेकर संशय बना रहता है कि व्रत 11 मार्च को रखा जाए या 12 मार्च को। आइए, पंचांग के अनुसार जानते हैं सटीक तारीख और शुभ मुहूर्त के बारे में।

कालाष्टमी के दिन क्या करें?

भगवान भैरव का ध्यान और मंत्र जाप करें। जरूरतमंदों को दान करें। कुत्तों को भोजन कराएं। शाम के समय दीपक जलाकर आरती करें।

कालाष्टमी के दिन क्या न करें?

किसी का अपमान या झगड़ा न करें। मांस और शराब का सेवन न करें। झूठ बोलने और गलत कामों से बचें।

कालाष्टमी 2026 की सही तिथि

पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत : 11 मार्च 2026 को देर रात 01 :54 बजे होगी,वहीं इस तिथि का समापन 12 मार्च 2026 को सुबह 04 :19 बजे होगा। हिंदू धर्म में अधिकतर व्रत उदयातिथि (सूर्योदय के समय जो तिथि चल रही हो) के आधार पर रखे जाते हैं। इस कारण मासिक कालाष्टमी का व्रत 11 मार्च 2026 को रखा जाएगा।

कालाष्टमी का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान भैरव की पूजा करने से व्यक्ति को भय, संकट और नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति मिलती है। मान्यता है कि कालाष्टमी के दिन सच्चे मन से पूजा करने से शत्रु बाधा कम होती है, ग्रह दोष शांत होते हैं, जीवन में आने वाली परेशानियां दूर होती हैं और घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

कालाष्टमी की पूजा विधि

कालाष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें। इसके बाद भगवान भैरव की विधि-विधान से पूजा करें। सबसे पहले घर के मंदिर में भगवान भैरव की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। उन्हें कुमकुम, अक्षत और फूल अर्पित करें। सरसों के तेल का दीपक जलाएं फिर भैरव चालीसा या भैरव मंत्र का जाप करें। इसके बाद भगवान को मिठाई, फल और नारियल का भोग लगाएं। कई स्थानों पर इस दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाने की भी परंपरा है, जिसे शुभ माना जाता है।

लहंगे के मिरर वर्क को सुरक्षित रखें

क्या आपके पास भी है वो खूबसूरत मिरर वर्क वाला लहंगा, जिसे आप बार-बार पहनना चाहती हैं पर डरती हैं कि कहीं इसका वर्क खराब न हो जाए? तो चिंता छोड़िए, क्योंकि हम लाए हैं आपके लिए ऐसे सिम्पल टिप्स जिनसे आपका लहंगा बना रहेगा नया जैसा, हर बार। पैकिंग के ये आसान तरीके आपके लहंगे के मिरर वर्क को सुरक्षित रखेंगे। तो, देखते हैं कैसे आप अपने पसंदीदा लहंगे को कर सकती हैं पैक, बिना किसी झंझट के।

सॉफ्ट कपड़े का इस्तेमाल

जब भी आप अपने मिरर वर्क वाले लहंगे को पैक करने जा रहे हो, तो एक छोटी सी ट्रिक अपना लें। बस उसे कोई नरम कपड़े मे, जैसे कि मलमल या फिर वो सॉफ्ट टिश्यू पेपर में, अच्छे से लपेट दें। इससे आपके लहंगे के मिरर पर कोई खरोंचे वगैरह नहीं आएंगी, जो आम तौर पर पैकिंग के दौरान आ जाती हैं।

रोल करके रखें

लहंगे को फोल्ड करने की जगह, रोल करके रखें। इससे उस पर सिलवटें कम पड़ेंगी और मिरर वर्क को नुकसान नहीं पहुंचेगा।

हवादार पैकेजिंग

अपने लहंगे को किसी ऐसे बैग में रखो जहां हवा आसानी से आ-जा सके। इससे क्या होगा ना, कि लहंगा हमेशा नया जैसा बना रहेगा और उसमें से मोल्ड या फंगस वगैरह का कोई चांस ही नहीं होगा। बस, इतना करके आप अपने प्यारे लहंगे को लंबे समय तक नया जैसा बनाए रख सकते हो।

अलग-अलग रखें

जब भी हो सके, अपने मिरर वर्क वाले लहंगे के अलग-अलग हिस्सों को एक-दूसरे से अलग रखने की कोशिश करो। इससे जो मिरर्स हैं, वो एक-दूसरे से टकराकर खराब नहीं होंगे। ये एक सिम्पल सा कदम है, पर इससे आपके लहंगे का मिरर वर्क लंबे समय तक सेफ रहेगा।

वैक्यूम बैग्स का उपयोग

लंबे समय तक स्टोरेज के लिए वैक्यूम बैग्स में लहंगे को सील कर देना चाहिए ताकि यह धूल और नमी से सुरक्षित रहे। और लंहगें जल्दी खराब नहीं होंगे।

किचन में फ्रिज रखने की सही दिशा

हर किचन में फ्रिज भी जरूर होता है। ये व्यक्ति के जीवन का भाग बच चुका है। कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति फ्रिज को किचन में किसी भी दिशा में रख देता है, लेकिन ऐसा करना सही नहीं माना जाता। वास्तु शास्त्र में किचन में फ्रिज को रखने की दिशा का वर्णन किया गया है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि वास्तु के अनुसार, फ्रिज किचन में किस दिशा में रखना चाहिए? साथ ही जानते हैं इससे जुड़े कुछ

किचन में फ्रिज रखने की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, फ्रिज को आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्व दिशा में रखें। ये दिशा ही फ्रिज रखने की सबसे सर्वोत्तम दिशा मानी जाती है। वास्तु में बताया गया कि बिजली से संबंधित सामान रखने के लिए आग्नेय कोण सबसे अच्छी दिशा होती है। इसके साथ ही किचन के नैऋत्य कोण यानी दक्षिण-पश्चिम में भी फ्रिज रखा जा सकता है। इन दिशाओं में भारी उपकरण रखने से घर में स्थिरता और सुख-समृद्धि रहती है। हालांकि, इस बात का खास ध्यान रखें कि कभी भी ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा, उत्तर या फिर पूर्व दिशा में फ्रिज को न रखें। ऐसा करने से बुरे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

फ्रिज से जुड़े अन्य नियम

किचन में फ्रिज को इस तरह से रखें कि उसका दरवाजा पूर्व या दक्षिण दिशा की ओर खुले। फ्रिज को गैस स्टोव या चूल्हे के बिल्कुल पास नहीं रखें। फ्रिज में कभी भी खराब या सड़ा हुआ खाना न रखें। इसे हमेशा साफ रखें। फ्रिज में जरूरत जितना ही सामान रखें।

सुबह खाली पेट कौन से फल नहीं खाने चाहिए

फल खाने के अपने कई फायदे हैं। हर व्यक्ति को किसी न किसी फल को अपनी डाइट में शामिल जरूर करना चाहिए। लेकिन ये ध्यान रखना भी जरूरी है कि फलों को कब और कैसे खाना चाहिए। कुछ लोग रात को भी फल खाते हैं तो कई लोग सुबह खाली पेट फल खाना हेल्दी मानते हैं, लेकिन क्या सुबह खाली पेट हर तरीके के फल खाएं जा सकते हैं? इस बारे में डायटिशियन से जानते हैं।

सुबह खाली पेट फल खा सकते हैं, लेकिन कुछ ऐसे फल है जिनको कभी भी खाली पेट नहीं खाना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि ये फल फायदे की जगह नुकसान कर सकते हैं। इनको सुबह खाने से एसिडिटी, गैस की समस्या हो सकती है। कुछ लोगों को पाचन संबंधी समस्या भी होने का रिस्क रहता है।

सुबह खाली पेट खट्टे फल खाने से बचें

सुबह खाली पेट खट्टे फल खाने से बचना चाहिए। जैस संतरा, खट्टे फलों में सिट्रिक एसिड अधिक होता है। इससे पेट में एसिड बढ़ सकता है, जिससे अपच से लेकर गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। जिन लोगों को पहले से गैस्ट्रिक समस्या है, उन्हें खास सावधानी रखनी चाहिए। ऐसे लोगों में खट्टा फल खाने से पाचन की समस्या और भी बढ़ सकती है। वैसे तो केले में काफी एनर्जी होती है। इसको हमेशा खाने के कुछ घंटे बाद खाना चाहिए। कभी भी केला खाली पेट नहीं खाएं। ऐसा इसलिए क्योंकि खाली पेट खाने पर इसमें मौजूद मैग्नीशियम और प्राकृतिक शुगर शरीर में असंतुलन पैदा कर सकते हैं। केला खाने से शरीर में शुगर लेवल भी तेजी से बढ़ सकता है। इसी तरह आम को भी कभी खाली पेट नहीं खाना चाहिए। आम में शुगर होती है। खाली पेट आम खाने से ब्लड शुगर तेजी से बढ़ सकता है, डायबिटीज के मरीजों को इसको खाली पेट नहीं खाना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। ज्वेलरी या कीमती वस्तुओं से जुड़े कारोबार में आज सामान्य से अधिक लाभ मिलने के संकेत हैं। जमीन-जायदाद से जुड़े किसी पुराने विवाद या मुकदमे का फैसला आपके पक्ष में आ सकता है, जिससे आर्थिक राहत मिलेगी। स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं में सुधार होगा।

वृषभ राशि - आज का दिन आपके लिए प्रगति दिलाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। आपके सकारात्मक व्यवहार से अधिकारी प्रभावित होंगे और कोई विशेष जिम्मेदारी या उपहार भी मिल सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। किसी नए अवसर से धन लाभ की संभावना बन सकती है।

मिथुन राशि - आज का दिन पारिवारिक जिम्मेदारियों में व्यतीत हो सकता है। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज कोई महत्वपूर्ण पद या जिम्मेदारी मिल सकती है। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। जमीन या संपत्ति से जुड़ा कोई सौदा करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल करना जरूरी होगा।

कर्क राशि - आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है। व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए नई योजना बना सकते हैं। खेल से जुड़ी महिलाओं को आज किसी उपलब्धि या सम्मान मिलने की संभावना है। आय में वृद्धि के संकेत हैं, जिससे आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। परिवार का वातावरण शांत रहेगा और बच्चों के साथ समय बिताने से खुशी मिलेगी।

सिंह राशि - आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आ सकता है। काम के प्रति समर्पण आपको सफलता की ओर आगे बढ़ाएगा। इंटीरियर डिजाइनिंग या क्रिएटिव क्षेत्र के छात्रों को इंटर्नशिप का अच्छा अवसर मिल सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन योजनाबद्ध तरीके से खर्च करना लाभकारी रहेगा।

कन्या राशि - आज आपका मन उत्साहित और सकारात्मक रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं और वेतन वृद्धि के संकेत भी हैं। मार्केटिंग या व्यापार से जुड़े लोगों को नए ऑफर मिल सकते हैं। व्यापार में लाभ के योग बन रहे हैं और आय के नए स्रोत भी मिल सकते हैं। किसी बुजुर्ग की मदद करने से आपको मानसिक संतोष मिलेगा।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए बेहद अच्छा रहने वाला है। बुक्स या शिक्षा से जुड़े कारोबार करने वालों के लिए आज अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी क्षमता और प्रदर्शन बेहतर रहेगा। व्यापार में अच्छी बिक्री से आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

वृश्चिक राशि - आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आ सकता है। बैंकिंग या वित्तीय क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नए काम की योजना बनाने का विचार भी आ सकता है। नया घर या वाहन खरीदने का विचार बन सकता है, जिससे आर्थिक योजनाओं में बदलाव होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। व्यापार में किए गए प्रयास सफल हो सकते हैं और काम में प्रगति देखने को मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं और परिवार की मदद से योजनाएं सफल होंगी। समाज सेवा से जुड़े लोगों को सम्मान मिल सकता है। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए संतुलित भोजन और नियमित जांच जरूरी होगी।

मकर राशि - आज का दिन आपके लिए बेहतर परिणाम लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में चुनौतियां सामने आएंगी, लेकिन आप अपनी मेहनत और समझदारी से उन्हें पार कर लेंगे। अचानक धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की शुरुआत हो सकती है। मित्रों और अधिकारियों का सहयोग मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कुंभ राशि- आज आपका मन प्रसन्न रहेगा और काम में व्यस्तता बनी रहेगी। ऑफिस में आपकी मेहनत और कार्यशैली से अधिकारी प्रभावित होंगे। समाज से जुड़े मुद्दों पर आपकी राय लोगों को प्रभावित कर सकती है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए नए अनुभव लेकर आ सकता है। थोड़ी मेहनत से कार्यक्षेत्र में अच्छा लाभ मिल सकता है। खेल से जुड़े लोगों को अपने कोच से विशेष प्रशिक्षण मिलने की संभावना है। किसी छोटे प्रयास से बड़ा आर्थिक फायदा हो सकता है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

स्किन पर झाइयां क्यों निकलती हैं? क्या है इसका इलाज

त्वचा पर झाइयां निकलने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। सबसे आम कारण लंबे समय तक धूप के संपर्क में रहना माना जाता है। सूरज की तेज किरणें त्वचा में मेलेनिन की मात्रा को बढ़ा सकती हैं, जिससे चेहरे पर काले या भूरे धब्बे बनने लगते हैं। इसके अलावा हॉर्मोनल बदलाव भी झाइयों का एक बड़ा कारण हो सकता है। प्रेगनेंसी, बढ़ती उम्र या हॉर्मोन से जुड़ी अन्य स्थितियों के दौरान त्वचा पर ऐसे धब्बे दिखाई दे सकते हैं।

कई बार गलत स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल, त्वचा की सफाई ठीक से न करना और प्रदूषण भी त्वचा को प्रभावित करते हैं। तनाव, खराब लाइफस्टाइल और पौष्टिक डाइट की कमी भी त्वचा की सेहत पर असर डाल सकती है। इन सभी कारणों से त्वचा की प्राकृतिक चमक कम हो सकती है और झाइयां धीरे-धीरे दिखाई देने लगती हैं।

झाइयों के इलाज के लिए सबसे पहले त्वचा की सही देखभाल करना जरूरी होता है। डॉक्टर की सलाह से कुछ खास क्रीम या स्किन ट्रीटमेंट दिए जा सकते हैं, जो त्वचा के दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करते हैं। कई मामलों में सनस्क्रीन का नियमित उपयोग भी जरूरी बताया जाता है, ताकि धूप का असर त्वचा पर कम पड़े।

इसके अलावा कुछ स्किन ट्रीटमेंट जैसे केमिकल पील या अन्य प्रक्रियाएं भी डॉक्टर की सलाह से की जा सकती हैं। हालांकि किसी भी दवा या उपचार को अपनाने से पहले त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी होता है, ताकि त्वचा के प्रकार के अनुसार सही इलाज किया जा सके।

ये भी जरूरी

त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना सही स्किन केयर रूटीन अपनाना जरूरी है। बाहर निकलते समय सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना, चेहरे को साफ रखना और ज्यादा देर तक धूप में रहने से बचना त्वचा की सुरक्षा में मदद करता है। इसके साथ ही संतुलित आहार लेना भी जरूरी है। फल, सब्जियां और पर्याप्त पानी त्वचा की सेहत को बेहतर बनाए रखते हैं। तनाव को कम करना भी त्वचा पर पॉजिटिव असर डालता है।

झाइयां त्वचा से जुड़ी एक आम समस्या है, जिसमें चेहरे या शरीर के कुछ हिस्सों पर भूरे या काले रंग के छोटे-छोटे धब्बे दिखाई देने लगते हैं। ये धब्बे अक्सर गालों, नाक, माथे और ठुड्डी के आसपास ज्यादा नजर आते हैं। शुरुआत में झाइयां हल्की होती हैं, लेकिन समय के साथ इनका रंग गहरा भी हो सकता है। कई बार लोग इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह त्वचा की सेंसिटिविटी या असंतुलन का संकेत भी हो सकती है। झाइयों के साथ त्वचा का रंग असमान दिखना, चेहरे पर दाग-धब्बे बढ़ना या त्वचा का फीका पड़ना जैसे लक्षण भी देखे जा सकते हैं। लंबे समय तक धूप में रहने वाले लोग, हॉर्मोनल बदलाव से गुजर रही महिलाएं और त्वचा की सही देखभाल न करने वाले लोगों में भी झाइयां होने का खतरा अधिक रहता है। इसलिए त्वचा में दिखने वाले ऐसे बदलावों पर समय रहते ध्यान देना जरूरी होता

भारतीय रसोई में कई ऐसे जायकेदार व्यंजन बनाए जाते हैं, जिनका स्वाद हर उम्र के व्यक्ति को बेहद पसंद होता है। ऐसी ही एक डिश का नाम लौकी कोफ्ता करी है। लौकी की स जी को देखकर भले ही आप नाक-मुंह सिकोड़ते हों लेकिन उससे बने कोफ्ते देखकर हर किसी के मुंह में पानी भर जाता है। हालांकि अकसर घर की महिलाओं की यह शिकायत रहती है कि उनसे करी तो टेस्टी बनती है लेकिन लौकी के कोफ्ते या तो टाइट बनते हैं या फिर इतने सॉफ्ट की करी में ही घुलकर बिखर जाते हैं। जिससे ना सिर्फ कोफ्तों का स्वाद बल्कि मूड भी खराब हो जाता है। लौकी के कोफ्ते बनाना किसी बारीक कलाकारी से कम नहीं है, जहां स्वाद और बनावट के बीच एक बहुत महीन संतुलन साधना पड़ता है। एक परफेक्ट कोफ्ता वही है जो बाहर से अपना आकार बनाए रखे, लेकिन चम्मच लगाते ही मखमली एहसास के साथ टूट जाए। अगर आप भी हलवाई जैसा वही जायका और बनावट घर पर चाहते हैं, तो बस कुछ छोटी लेकिन जरूरी किचन टिप्स का ध्यान रखें।

लौकी कोफ्ता बनाने के लिए 5 आसान टिप्स

1. लौकी का पानी पूरी तरह निचोड़ें

लौकी को कद्दूकस करने के बाद उसमें थोड़ा सा नमक मिलाकर 5 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद उसे मलमल के कपड़े या हाथों से जितना संभव हो उतना निचोड़ें। लौकी में बहुत अधिक पानी होता है। ऐसा करने से उसमें मौजूद पानी निकल जाएगा, जिससे लौकी के कोफ्ते गीले होकर टूटेंगे नहीं। कद्दूकस की हुई लौकी के पानी को आप इसकी ग्रेवी में इस्तेमाल करके स्वाद और पोषण दोनों को बनाए रख सकती हैं।

2. बेसन की सही मात्रा और तरीका

ज्यादा बेसन डालने से कोफ्ते 'रबड़' जैसे सख्त हो जाते हैं, और कम डालने से वे बिखर जाते हैं। ऐसे में इस बात का खास ख्याल रखें कि कोफ्ते बनाने के लिए बेसन डालने से पहले उसे हल्का भून लें। इस टिप को फॉलो करने से कोफ्तों में सोंधापन आता है और कम बेसन में भी अच्छी बाइंडिंग होती है। इस बात का खास ख्याल रखें कि कोफ्ते का मिश्रण ऐसा होना चाहिए कि वह बस हाथ में शेप ले सके, वह आटे की तरह सख्त नहीं होना चाहिए।

3. थोड़ा सा मोयन या दही

कोफ्तों को अंदर से जालीदार और नरम बनाने के लिए मिश्रण में एक चम्मच गरम तेल या एक चम्मच गाढ़ा दही मिलाएं। इससे कोफ्ते अंदर से सूखते नहीं हैं और करी को अच्छी तरह सोखते हैं।

4. तलने का सही तापमान

कोफ्तों को हमेशा मीडियम आंच पर फ्राई करें। तेज आंच पर कोफ्ते फ्राई करने से वो ऊपर से काले और अंदर से कच्चे रह जाएंगे। इसके विपरीत अगर आंच बहुत धीमी होगी, तो कोफ्ते बहुत ज्यादा तेल सोखकर भारी हो जाएंगे।

लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को अच्छे से साफ करें

लिपस्टिक महिलाओं की खूबसूरती में चार चांद लगाने का एक आसान और असरदार तरीका है। ये ना सिर्फ चेहरे की चमक बढ़ाती है, बल्कि सेल्फ कॉन्फिडेंस को भी बढ़ावा देती है। आजकल महिलाएं डेली रूटीन में लिपस्टिक लगाती हैं, चाहे ऑफिस जाना हो, कॉलेज या कोई छोटी-सी मीटिंग ही क्यों न हो। लेकिन क्या आप जानती हैं कि रोजाना लिपस्टिक लगाने से होंठों पर बुरा असर भी पड़ सकता है, अगर उसकी सही केयर न की जाए तो? अगर आप भी रोजाना लिपस्टिक का इस्तेमाल करती हैं, तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना आपके लिए बेहद जरूरी है। जिसकी जानकारी यहां दी गई है आइए जानते हैं इनके बारे में

होंठों की सफाई जरूरी है

लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को अच्छे से साफ करें। पुराने लिपस्टिक के पार्टिकल्स, धूल-मिट्टी या ऑयल की परत हटाना जरूरी होता है, जिससे नई लिपस्टिक ठीक से सेट हो और होंठ हेल्दी रहें।

लिप बाम का बेस लगाएं

लिपस्टिक से पहले लिप बाम लगाने से होंठ हाइड्रेट रहते है। यह ड्रायनेस और क्रैकिंग को रोकता है और लिपस्टिक भी स्मूद लगती है।

प्राइमर या कंसीलर का करें इस्तेमाल

लंबे समय तक लिपस्टिक को टिकाए रखने के लिए होंठों पर हल्का सा कंसीलर या लिप प्राइमर लगाएं। इससे लिपस्टिक की शेड भी उभरकर आती है।

अच्छी क्वालिटी की लिपस्टिक चुनें

हमेशा ऐसी लिपस्टिक का चुनाव करें जो त्वचा के सही हो और हानिकारक केमिकल्स से मुक्त हो। लोकल या सस्ती लिपस्टिक से एलर्जी और पिग्मेंटेशन की समस्या हो सकती है।

डार्क शेड्स का सीमित इस्तेमाल करें

गहरे रंग की लिपस्टिक में पिगमेंट ज्यादा होता है, जो लंबे समय में होंठों को डार्क बना सकता है। इसलिए हल्के और नेचुरल शेड्स को भी शामिल करें।

एस आर पैरामेडिकल कॉलेज में 'व्हाइट कोट सेरेमनी': सेवा और ईमानदारी की शपथ लेकर भविष्य के योद्धाओं ने थामी जिम्मेदारी

दुर्ग (चिखली)। चिखली स्थित एस.आर. पैरामेडिकल कॉलेज में भविष्य के पैरामेडिकल टेक्नीशियनों के लिए 'व्हाइट कोट सेरेमनी' (White Coat Ceremony) का भव्य आयोजन किया गया। यह समारोह छात्रों के शैक्षणिक जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ रहा, जहाँ उन्होंने अपने पेशे की गरिमा और नैतिकता को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लिया।

सत्य और सेवा का लिया संकल्प- कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने पारंपरिक 'व्हाइट कोट' धारण कर सेवा की शपथ ली। छात्रों ने संकल्प लिया कि वे प्रयोगशाला कार्यों को पूरी ईमानदारी, सटीकता और जिम्मेदारी के साथ निष्पादित करेंगे। शपथ पत्र के माध्यम से उन्होंने यह वचन दिया कि वे अपने शिक्षकों, सहकर्मियों और मरीजों का सदैव सम्मान करेंगे और मानवता के सिद्धांतों का पालन करेंगे।

नैतिकता और कौशल पर जोर- इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधन और अतिथियों ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि एक पैरामेडिकल टेक्नीशियन स्वास्थ्य व्यवस्था की वह महत्वपूर्ण कड़ी है, जिस पर सटीक जांच और मरीज का भविष्य निर्भर करता है। छात्रों ने अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर बढ़ाते हुए समाज की निस्वार्थ सेवा करने का संकल्प दोहराया।

समारोह में एस. के. गुप्ता - पैथोलॉजी विभाग (Pathology Department), डॉ. के. के. जैन - एम.डी. मेडिसिन (MD Medicine), डॉ. आर. आर. मंडले - अस्थि रोग विशेषज्ञ (Orthopedic), एन. एस. - लीलावती वर्मा (नर्सिंग स्टाफ/सुपरवाइजर), डॉ. वनश्री सिन्हा - नेत्र विभाग (Eye Dept), प्राचार्य, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। व्हाइट कोट पहनते ही छात्रों के चेहरों पर एक नई चमक और जिम्मेदारी का भाव नजर आया। शिक्षकों ने छात्रों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें हमेशा नैतिकता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

गांधी मंदिर वार्ड भाटापारा में स्नेह मिलन का कार्यक्रम 12 मार्च

खुशनुम: जीवन जीना एक कला है

भाटापारा। प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में स्नेह मिलन वंदे मातरम- स्वर्णिम भारत विषय पर स्थानीय संस्था भाग्य विधाता भवन एल आई सी ऑफिस के पीछे नरसिंह विहार कॉलोनी गांधी मंदिर वार्ड भाटापारा में स्नेह मिलन का कार्यक्रम 12 मार्च दिन गुरुवार को सायं काल 5:00 बजे से आयोजित है। उक्त कार्यक्रम में प्रेरणादायक उदबोधन, मधुर संगीत, मेडिटेशन, आदि की प्रस्तुति होगी, साथ ही स्वल्पाहार का भी व्यवस्था किया गया है। वर्तमान विश्व में भौतिक विकास अपने चरम पर है, लेकिन मनुष्य का जीवन अनेक तनाव, उलझन, चिताओं, परेशानियों, से युक्त है घर परिवार में सुख के साधन अधिक संख्या में मौजूद है, पर सच्चा सुख, खुशी नहीं है। महिला परिवार की धुरी है, उसकी मनः स्थिति घर परिवार के वातावरण को अधिक प्रभावित करती है। समस्याएं तो जीवन में आती रहती है, समस्या मुक्त जीवन संभव नही है पर इन सबके बीच रहते हुए भी खुशनुमः जीवन जीना एक कला है, यदि महिलाएं स्वयं इस कला में पारंगत हो जाए तो परिवार को भी खुशहाल रख सकती है। अतः अपने परिवार को सुंदर खुशहाल बनाने एवं जीवन में सच्ची सुख शांति प्राप्ति हेतु उपरोक्त कार्यक्रम में आप सपरिवार सादर आमंत्रित है। अतः क्षेत्रवासियों से विनम्र निवेदन है कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित स्नेह मिलन वंदे मातरम-स्वर्णिम भारत कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ अवश्य उठाएं।

प्रणीश चौबे बेमेतरा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

बेमेतरा। जिला कांग्रेस संगठन में महत्वपूर्ण फेरबदल करते हुए क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रणीश चौबे को जिला कांग्रेस कमेटी में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने प्रदेश संगठन की सहमति से शनिवार को नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए प्रणीश चौबे को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति की घोषणा होते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष का माहौल देखा गया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि प्रणीश चौबे लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। वर्ष 2012 में बेमेतरा जिला गठन के बाद से ही वे जिला कांग्रेस कमेटी में महामंत्री सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी जिम्मेदारी निभाते रहे हैं। संगठन के प्रति उनकी सक्रियता, समर्पण और कार्यकर्ताओं के साथ मजबूत जुड़ाव के कारण उन्हें लगातार संगठन में अहम दायित्व मिलते रहे हैं। राजनीतिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी उनकी सक्रिय पहचान रही है। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने अधिवक्ताओं के हितों से जुड़े कई मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। साथ ही वे कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए लगातार कार्य करते रहे हैं। जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर प्रणीश चौबे ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने पार्टी के प्रदेश नेतृत्व, जिला अध्यक्ष आशीष छाबड़ा तथा वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन को और मजबूत बनाने तथा कार्यकर्ताओं को साथ लेकर कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। उनकी नियुक्ति पर जिले के कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने खुशी जताते हुए उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई मजबूती मिलेगी और कांग्रेस की गतिविधियां जिले में और अधिक सक्रिय होंगी।

अफीम कांड के आरोपियों अवैध साम्राज्य पर बुलडोजर एक्शन

विनायक ताम्रकार के करीबियों पर गिरी गाज

समोदा में अवैध निर्माण जमींदोज

दुर्ग। समोदा गांव में करोड़ों की अवैध अफीम की खेती के खुलासे के बाद अब प्रशासन ने आरोपियों के आर्थिक और अवैध साम्राज्य पर कड़ा प्रहार शुरू कर दिया है। मंगलवार को जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने अफीम कांड के मुख्य आरोपी विनायक ताम्रकार के करीबियों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया।

राजस्व रिकॉर्ड की जांच के बाद एक्शन- पुलगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई इस कार्रवाई से पहले राजस्व विभाग ने भूमि अभिलेखों की सूक्ष्मता से जांच की थी। जांच में यह तथ्य सामने आया कि मुख्य आरोपी विनायक ताम्रकार (निवासी तमेर पारा) से जुड़े कुछ व्यक्तियों और रिश्तेदारों ने ग्राम समोदा में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण कार्य किया था। पुष्टि होते ही प्रशासन ने 'बुलडोजर एक्शन' का निर्णय लिया।

पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई- कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। राजस्व विभाग, पुलगांव पुलिस और संबंधित प्रशासनिक विभागों की संयुक्त टीम ने सुबह ही समोदा पहुंचकर अवैध संरचनाओं को ढहाना शुरू किया। देखते ही देखते अतिक्रमण को पूरी तरह साफ कर दिया गया।

जारी रहेगी वैधानिक कार्रवाई- पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अफीम की खेती जैसे गंभीर अपराध में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। आरोपियों के मददगारों और उनके द्वारा किए गए अन्य अवैध कार्यों की भी जांच की जा रही है। गौरतलब है कि 8 करोड़ की अफीम पकड़े जाने के बाद से ही दुर्ग पुलिस इस पूरे सिंडिकेट की जड़ों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने मनाई जनता के साथ होली

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने अपने कार्यालय में बेमेतरा के नागरिकों तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ में होली खेलने का आनंद लिया पूर्व विधायक के कार्यालय में फाग गीतों के लिए ढोल नगाड़े बजाकर फाग गीतों का आनंद लिया गया इस अवसर पर पूर्व विधायक ने आगुंतकों को रंग गुलाल लगाकर त्यौहार की बधाइयां दी तथा आम नागरिकों से रंगलाल लगवाकर उनकी बधाइयां स्वीकार की इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि होली का पर्व हम सबके जीवन में रंग और उल्लास तथा आपसी भाईचारे एवं सौहार्दता का पर्व है होली के माध्यम से हम अपने मित्र गणों यहां तक की दुश्मनों को भी गले लगाकर रंग गुलाल लगाते हैं और यह पर्व बहुत ही उल्लास के साथ अपनी धार्मिक परंपराओं के अनुरूप हम सभी मानते है होली का यह पर्व सभी के जीवन में खुशियां लेकर आए ऐसी कामना में करता हूं इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में जनमानस उपस्थित रहे।

सेवा सहकारी समिति बेमेतरा में होली मिलन समारोह मनाया गया

बेमेतरा। सेवा सहकारी समिति मर्यादित बेमेतरा प क्र 118 में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमे समिति क्षेत्र के कृषक सदस्यों को गुलाल लगाकर एवं गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया धान विक्रय करने वाले कृषकों ने शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना में आदान सहायता राशि मिलने पर हर्ष व्यक्त किये और एक दूसरे को गुलाल लगाकर मुँह मीठा कराकर खुशी के साथ होली मिलन कार्यक्रम किये समाहरो में सभी कृषक सदस्यों किसानों के चेहरों पर खुशी नजर आई सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष दोहाई वर्मा व समिति प्रबंधक विनोद राजपूत के नेतृत्व में कृषि उपज मंडी कार्यालय में अन्नदाता किसानों के साथ भारी खुशी उत्साह के साथ होली मिलन कार्यक्रम में सामिल होने वाले में प्रमुख रूप से किसान मोर्चा के प्रदेश सह कोषाध्यक्ष मोंटी साहू,किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नीलू ठाकुर,विकास तम्बोली पार्षद वार्ड 11 व सभापति नगर पालिका परिषद बेमेतरा, पूर्व पार्षद वार्ड 9 साधेलाल बघेल,देवराम साहू पूर्व पार्षद दयाराम साहू शेखर वर्मा भानू साहु फेरु वर्मा दीनाराम साहू यादव राम साहू लच्छन वर्मा राजेन्द्र साहू राजीव तम्बोली बलराम देवांगन नंदलाल वर्मा सहीत क्षेत्र के प्रबुद्ध किसान अधिकारी कर्मचारी गणमान्य नागरिक ग्रामवासी नगरवासी उपस्थित हुए।

रसोई गैस सिलेंडर में महंगाई की मार : ब्लॉक अध्यक्ष

डबल इंजन की सरकार पर फेलवर होने के आरोप

डोंगरगांव नगर। घरेलु गैस सिलेंडर की कीमतों में हालिया दिनों इजाफे कर दिए गए है। सिलेंडर की कीमत में बढ़ोत्तरी होने से अब सिलेंडर के दाम बढ़ गए हैं। उक्ताशय को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी डोंगरगांव के अध्यक्ष टिकेश साहू ने केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार पर आरोप लगाते हुए तीखा निशाना साधा है। ब्लॉक अध्यक्ष साहू ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता पहले ही परेशान है, ऐसे में गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि लोगों पर दोहरी मार साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में लगभग 60 रुपये तथा व्यावसायिक गैस सिलेंडर में करीब 115 रुपये की बढ़ोतरी की गई है, जिससे आम परिवारों के साथ-साथ छोटे दुकानदारों और व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई पर नियंत्रण करने में सरकार पूरी तरह विफल साबित हो रही है। रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल और आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ने से आम आदमी का बजट बिगड़ता जा रहा है। उन्होंने डबल इंजन सरकार को हर मोर्चे पर फेलवर करार दिया। साहू ने सरकार से मांग की कि रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में की गई बढ़ोतरी को तत्काल वापस लिया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा आम जनता के हितों की आवाज उठाती रही है और महंगाई के खिलाफ आगे भी संघर्ष जारी रखेगी।

अन्नपूर्णा योजना पर डाका: सीसीटीवी के बिना राशन दुकान से 26 क्विंटल चावल पार

कवर्धा। जिले में सरकारी सिस्टम की लापरवाही के बीच चोरों ने गरीबों के हक पर ही हाथ साफ कर दिया। पिपरिया थाना क्षेत्र के ग्राम बानो में स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान में सेंधमारी कर अज्ञात चोर करीब 26 क्विंटल सरकारी चावल और इलेक्ट्रॉनिक नाप-तौल मशीन चोरी कर ले गए। जानकारी के अनुसार दुकान के सेल्समैन ने शनिवार को ग्रामीणों को राशन वितरण करने के बाद दुकान बंद कर अपने घर चला गया था। रविवार सुबह जब वह बचे हुए हितग्राहियों को राशन देने दुकान पहुंचा तो गेट पर लगा ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो कमरे में रखा करीब 26 क्विंटल चावल और डिजिटल तौल मशीन गायब थी, जबकि अन्य सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था। ताया जा रहा है कि चोरी गए चावल और मशीन की कीमत करीब 75 हजार रुपये आंकी गई है। घटना की जानकारी मिलते ही दुकान संचालक ने पहले विभागीय अधिकारियों को सूचना दी और उसके बाद पिपरिया थाना पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। दरअसल यह चावल राज्य सरकार की अन्नपूर्णा योजना के तहत गरीब परिवारों में वितरण के लिए रखा गया था। ऐसे में राशन दुकान से इतनी बड़ी मात्रा में चावल की चोरी होने से ग्रामीणों में भी नाराजगी देखी जा रही है। सबसे बड़ा सवाल यह भी खड़ा हो रहा है कि शासन द्वारा सभी उचित मूल्य दुकानों में पारदर्शिता और सुरक्षा के लिए CCTV कैमरा लगाने के निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं, लेकिन कई दुकानों में आज तक कैमरे नहीं लगाए गए। यदि दुकान में CCTV लगा होता तो चोरी की इस बड़ी वारदात का सुराग मिलना आसान हो सकता था। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर गरीबों के हक का राशन वापस दिलाया जाए और राशन दुकानों में सुरक्षा व्यवस्था को भी सख्ती से लागू किया जाए।

शादी में मिला अनोखा तोहफा,दुल्हा-दुल्हन को उपहार में मिला हेलमेट

दुर्ग महापौर ने की नई शुरुआत नव-दंपतियों को भेंट की जगह दिया हेलमेट, महापौर की अपील: शादियों में फूल-गुलदस्ते की जगह भेंट करें हेलमेट

दुर्ग/ महापौर अलका बाघमार ने एक अनोखी पहल करते हुए तीन अलग-अलग शादियों में पहुंचकर नव-विवाहित वर-वधु को महगें गिफ्ट की जगह उन्हें हेलमेट भेंट किया। और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उनका यह प्रयास शादियों में चर्चा का विषय बना।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने नव-दंपतियों को उनके नए जीवन की मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन अनमोल है और इसकी सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें।

साथ ही नव-दंपतियों से अपील की कि वे स्वयं भी हेलमेट पहनें और अपने परिवार व समाज को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को कम किया जा सके। महापौर की इस पहल को उपस्थित लोगों ने सराहा और इसे सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने वाला सराहनीय कदम बताया।

महापौर अलका बाघमार ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि शादियों में केवल फूल-गुलदस्ते देने की परंपरा के बजाय नवदंपतियों को हेलमेट भेंट करने की पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हेलमेट एक जीवन कवच÷ है, जो सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

महापौर ने कहा कि यदि शादी जैसे शुभ अवसरों पर हेलमेट भेंट करने की परंपरा शुरू हो जाए तो इससे समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और लोगों को सुरक्षित जीवन जीने की प्रेरणा मिलेगी।

आपातकाल के 50वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सीख विषय पर कार्यक्रम आयोजित

बेमेतरा। शासकीय पंडित जवाहरलाल नेहरू स्नाकोत्तर महाविद्यालय प्रांगण में विकसित भारत युवा सांसद 2026 के अंतर्गत 18 से 25 वर्ष कि युवाओं के लिए आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सिख सबक विषय को लेकर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने अपने तेज तर्रार शैली में 3 मिनट समय सीमा में शानदार लहजे में आसंदी में उपस्थित सभी जीवनी मेंबर्स तथा मुख्य अतिथि दीपेश साहू विधायक बेमेतरा राजेंद्र शर्मा जिला प्रभारी भाजपा विजय सिनहा नगर पालिका अध्यक्ष बेमेतरा योगेश तिवारी युवा किसान नेताश्री राजेश शर्मा सहित भाजपा के सभी शीर्षस्थ नेता भी अचंभित हो गए तथा अपने उद्बोधन में प्रतिभागियों की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहां की प्रधानमंत्री मोदी जी युवाओं के माध्यम से भारतीय इतिहास को कलंकित कर देने वाले आपातकाल की पुनरावृत्ति कभी न होने पाए उक्त उद्देश्य से यह कार्यक्रम संचालित किया है अन्यथा आने वाली पीढ़ी हमें कभी माफ नहीं करेगी सर्वप्रथम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ वीणा त्रिपाठी की अध्यक्षता में सरस्वती पूजन से कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ तथा तय समय सीमा में प्रतिभागियों ने अपनी बातों को जीवनी मेंबर्स डॉक्टर कमलेश दुबे प्राचार्य दाढ़ी महाविद्यालय मनोज बक्शी क्रीड़ा प्रभारी एवं नीतू कोठारी पार्षद बेमेतरा के समक्ष रखा एवं परिणाम स्वरूप प्रथम स्थान रवि वर्मा द्वितीय स्थान कुमारी रेशमीवर्मा तृतीय स्थान राजीव मधुकर चतुर्थ स्थान मनीष साहू पंचम स्थान शिवम साहू ने प्राप्त किया जिन्हें अतिथि गणों के द्वारा विभिन्न पुरस्कारों एवं प्रमाण पत्रों के द्वारा सम्मानित किया गया तथा अन्य प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर क्षेत्र विशेष के लिए प्रोत्साहित किया गया कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापक जितेंद्र पारले के द्वारा एवं नर्मदा खोटे के द्वारा किया गया इस अवसर पर समस्त अधिकारी कर्मचारियों की सकरी भूमिका रही तथा आभार प्रदर्शन डॉ साहू वरिष्ठ प्राध्यापक के द्वारा किया गया इस युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के कार्यक्रम के सफल संचालन में नेहरू युवा केंद्र दुर्ग के जिला युवा अधिकारी नितिन शर्मा और आरती मिश्रा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com